प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 29 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में कई परियोजनाओं के शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर एक लाभार्थी को आयुष्मान वय वंदना कार्ड सौंपते हैं।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:177 दिनांक:30-10-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से दुनिया भर में दिवाली की शुभकामनाएं भेजी हैं। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा कि इस साल उन्हें 260 मील (418 किमी) की ऊँचाई पर पृथ्वी से दिवाली मनाने का अनूठा मौका मिला है।

आयुर्वेद दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को दिया पीएम केयर का कवर

12,850 करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9वें आयुर्वेद दिवस के मौके पर करीब 12,850 करोड़ रुपये की लागत वाली स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दिल्ली के भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के नागरिकों को भी शामिल करने की योजना की शुरुआत भी की। इससे सभी आय वर्गों के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन किया।

इस चरण में, एक पंचकर्म अस्पताल, औषधि निर्माण के लिए एक आयुर्वेदिक फार्मेसी, एक खेल चिकित्सा इकाई, एक केंद्रीय पुस्तकालय, एक आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है। उन्होंने मध्य प्रदेश के मंदसौर, नीमच और सिवनी में तीन मेडिकल कॉलेजों के अलावा हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, पश्चिम बंगाल के कल्याणी, बिहार में पटना, उत्तरप्रदेश में गोरखपुर, मध्य प्रदेश में भोपाल, असम में गुवाहाटी और नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में चिकित्सा सेवा के विस्तार और जन औषधि केंद्र का भी उद्घाटन किया।

इसी दौरान प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और ओडिशा के बरगढ़ में एक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी उद्घाटन किया। उन्होंने इस मौके पर शिवपुरी, रतलाम, खंडवा, राजगढ़ और मंदसौर में पांच नर्सिंग कॉलेजों की आधारशिला रखी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मणिपुर, तमिलनाडु और राजस्थान में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत 21 गंभीर रोग उपचार केन्द्रों का भी शिलान्यास किया। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री ने इंदौर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम-ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन किया तथा हरियाणा के फरीदाबाद, कर्नाटक के बोम्मासंद्र और नरसापुर, मध्य प्रदेश के इंदौर, उत्तर प्रदेश के मेरठ और आंध्र प्रदेश के अच्युतपुरम में ईएसआईसी अस्पतालों की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने मंगलवार को ही 'यू-विन' पोर्टल की भी शुरुआत की।

इससे टीकाकरण प्रक्रिया डिजिटल बनेगी जिससे गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों तथा संस्थानों के लिए भी एक पोर्टल की शुरूआत की। यह मौजूदा स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और संस्थानों के लिए केंद्रीकृत डेटाबेस होगा। उन्होंने ओडिशा के भुवनेश्वर के गोथापाटन में एक केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

वहीं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देकर प्रधानमंत्री ने गुजरात के वापी, तेलंगाना के हैदराबाद, कर्नाटक के बेंगलुरु, आंध्र प्रदेश के काकीनाडा और हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ में चिकित्सा उपकरणों और बल्क दवाओं के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पांच परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ये इकाइयां बड़ी मात्रा में महत्वपूर्ण दवाओं के साथ-साथ बॉडी इम्प्लांट और क्रिटिकल केयर उपकरण जैसे उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरणों का निर्माण करेंगी।

दहेज उत्पीड़न में कई बार बगैर सबूत के आरोप लगाए जाते हैं: सुप्रीम कोर्ट

अदालतों को सतर्कता के साथ पड़ताल की जरूरत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दहेज उत्पीड़न के मामलों में कई बार जो आरोप लगाए जाते हैं, उसके कोई सबूत तक नहीं होते, लेकिन उन्हें सजा मिलने लगती है। इसलिए अदालतों को ऐसे मामलों की ढंग से पड़ताल करनी चाहिए क्योंकि पूरा परिवार इसकी सजा भुगतता है। उन्हें लंबी कानूनी प्रक्रिया के दौरान जेल में रहना पड़ जाता है। यह बात सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में महाराष्ट्र के एक शख्स को दहेज उत्पीड़न के आरोपों से बरी करते हुए कही। इस मामले में वह तीन सालों से जेल में था। इसके अलावा बीड़ में लैब असिस्टेंट के तौर पर वह जो नौकरी कर रहा था, वह भी चली गई थी। उसे दहेज उत्पीड़न केस में दोषी करार दिया गया तो 23 नवंबर, 2015 को उसकी नौकरी ही चली गई थी। ट्रायल कोर्ट की तरफ से शख्स को दोषी करार देने के आरोप को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके साथ ही जस्टिस सीटी रवि कुमार और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कहा, हमारी राय है कि अदालतों को ऐसे मामलों पर पूरी जांच करनी चाहिए। इससे पूरा परिवार झेलता है और बढ़ा-चढ़ाकर लगाए गए आरोपों के चलते उन्हें सजा काटनी पड़ती है। यहां तक कि जो आरोप उन पर लगते हैं, उसके कोई सबूत तक नहीं होते।

दहेज उत्पीड़न के कानून में बदलाव होना चाहिए

अदालत ने कहा कि 2010 में भी प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड सरकार के मामले में हमने ऐसा ही कहा था। कोर्ट ने कहा कि तब सरकार से हमने कहा था कि दहेज उत्पीड़न के कानून में बदलाव किया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि लड़की वालों की ओर से लगाए गए आरोपों के चलते पति और उसके परिवार को सजा भुगतनी पड़ती है। दरअसल सेक्शन 498ए के तहत दहेज उत्पीड़न का केस तब दर्ज किया जाता है, जब महिला को उसके पति अथवा परिवार या फिर दोनों ने प्रताड़ित किया हो।

ऐसा उत्पीड़न दहेज की मांग को लेकर होता है तो इस कानून के दायरे में सजा का प्रावधान है। तब कोर्ट ने यहां तक कहा था कि इस कानून का ऐसा दुरुपयोग हो रहा है कि अदालतों में शिकायतें लंबित पड़ी हैं। इसके अलावा समाज में सद्भाव भी बिगड़ रहा है। लोगों की खुशियां छिन रही हैं। इसलिए यह सही वक्त है कि विधायिका विचार करे और कानून में जरूरी बदलाव किए जाएं। वास्तविकता को समझते हुए ये बदलाव करने चाहिए। 14 साल पुराने उस फैसले को ही एक तरह से दोहराते हुए कहा कि आज भी ऐसी ही स्थिति है। बड़े पैमाने पर दहेज उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। कई बार इन मामलों लगाए गए आरोप सच्चाई से परे होते हैं।

देपसांग और डेमचोक में भारत और चीन के बीच सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। सूत्रों के मुताबिक देपसांग और डेमचोक में डिसइंगेजमेंट का काम पूरा हो चुका है। भारत और चीन, दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट गई हैं। इससे पहले एक बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि भारत और चीन 28-29 अक्टूबर तक एलएसी पर सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे।

रक्षा सूत्रों ने कहा, ये समझौता अन्य टकराव वाले क्षेत्रों पर लागू नहीं होगा। दोनों पक्षों के सैनिक अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस आ जाएंगे और वे उन क्षेत्रों में गश्त करेंगे जहां उन्होंने अप्रैल 2020 तक गश्त की थी।

इससे पहले विदेश मंत्री (ईएएम) एस। जयशंकर ने कहा कि लद्दाख सीमा पर दो टकराव बिंदुओं पर वापसी पहला कदम है और तनाव कम करना अगला कदम है।

विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच विश्वास और इच्छाशक्ति का निर्माण करने में समय लगेगा। उन्होंने कहा कि सीमा पर स्थिति बहुत परेशान करने वाली रही है और इसका दोनों देशों के बीच संबंधों पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि समझौते में तीन प्रमुख मुद्दों पर ध्यान दिया गया है, पहला और सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है पीछे हटना, क्योंकि दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के बहुत करीब हैं और कुछ होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दूसरा मुद्दा तनाव कम करना है और फिर तीसरा बड़ा मुद्दा है आप सीमा का प्रबंधन कैसे करते हैं और सीमा समझौते पर कैसे बातचीत करते हैं।

बस हादसा, 12 लोगों की मौत, 35 से ज्यादा घायल

सीकर(ईएमएस)। राजस्थान में सीकर जिल के लक्ष्मणगढ़ में निजी बस पुलिया से टकरा गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए लक्ष्मणगढ़ और सीकर के अस्पताल ले जाया गया। 7 की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया गया।

हादसा लक्ष्मणगढ़ में पुलिया के नजदीक मंगलवार दोपहर 2 बजे के करीब हुआ। बस सालासर से नवलगढ़ जा रही थी। हादसा सालासर से 68 किमी दूर हुआ।

तेज रफ्तार होने के कारण बस घूम नहीं सकी

बस को लक्ष्मणगढ़ पुलिया से बायीं तरह से जयपुर-बीकानेर रोड की ओर जाना था। तेज रफ्तार में होने के कारण बस पूरी तरह घूम नहीं सकी और सीधे पुलिया से टकरा गई। बस का आगे का 3 से 4 फीट का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस पुलिया की दीवार से टकराई और ड्राइवर साइड का पूरा हिस्सा चकनाचूर हो गया। टक्कर के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद लोगों की भीड़ जुट गई और एक-एक कर सभी को नजदीकी लक्ष्मणगढ़ सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

विमानों में बम की धमकी देने वाले एक और आरोपी की हुई पहचान,

नागपुर,(ईएमएस)। नागपुर पुलिस ने फर्जी ईमेल के जरिए विमानों में बम की धमकी देने वाले एक और आरोपी की पहचान कर ली है। यह आरोपी महाराष्ट्र के गोंदिया का 35 वर्षीय जगदीश उइके है। आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीम जुट गई है और जल्द ही पकड़ा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने आतंकवाद पर किताब भी लिखी है। नागपुर पुलिस ने बताया कि जगदीश उइके ने प्रधानमंत्री कार्यालय, रेल मंत्री, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक और रेलवे सुरक्षा बल सहित कई सरकारी कार्यालयों को ईमेल भेजे थे।

सौ से अधिक सेवानिवृत्त नौकरशाहों ने केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर उत्तराखंड और अन्य राज्यों में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की

नई दिल्ली (ईएमएस)। सौ से अधिक सेवानिवृत्त नौकरशाहों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उत्तराखंड और कुछ अन्य उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव और हिंसा को लेकर चिंता जाहिर की है।

पत्र में कहा गया है कि सरकारी व्यवस्था और रवैये के चलते शांतिप्रिय सौहार्द वाले राज्यों में सांप्रदायिक नफ़रत और हिंसा को बढ़ावा मिल रहा है।

उत्तराखंड को लेकर पत्र में खास उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यहां अल्पसंख्यक और बहुसंख्यकों के बीच विरोध का नया स्वरूप नकारात्मक संकेत देता है। कॉन्स्टिटयूशनल कंडक्ट ग्रुप के तहत लिखे इस पत्र में पूर्व नौकरशाहों का कहना है कि कुछ साल पहले तक उत्तराखंड एक शांति, सद्भाव और पर्यावरण सक्रियता की अपनी परंपराओं के लिए जाना जाता था और यहां कभी भी बहुसंख्यकवादी आक्रामकता ज़रा भी दिखाई नहीं दी थी। हालांकि, बीते कुछ समय में उत्तराखंड की राजनीति में जानबूझकर सांप्रदायिकता का जहर घोला जा रहा है, जिससे नफरत की नई नर्सरी तैयार की जा सके। ये एक व्यवस्थित प्रयास है, जिसमें अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों के अधीन रहने को मजबूर किया जा रहा है।

पत्र में कहा गया है कि राज्य में हालात बदतर बनाने वाली सांप्रदायिक घटनाओं को लेकर अराजकता का एक दुष्चक्र चल रहा है, जहां नफरत फैलाने के आरोप में जमानत पर बाहर आने वाले लोग भी अपनी जमानत शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं। पूर्व नौकरशाहों का कहना है कि उन्होंने हाल के वर्षों में सार्वजनिक नीति, शासन और राजनीति में संवैधानिक मूल्यों के व्यवस्थित गिरावट पर अक्सर अपने विचार व्यक्त किए हैं।

51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित कर पीएम मोदी ये दीवाली 500 साल के लंबे इंतजार के बाद वाली

हमारी नीतियों और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता

नई दिल्ली (ईएमएस)। धनतेरस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी को धनतेरस के पावन अवसर पर बधाई देता हूँ। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूँगा कि यह दिवाली बहुत खास होने वाली है। इस बार की दीवाली इसलिए भी खास होगी क्योंकि 500 साल के लंबे इंतजार के बाद प्रभु रामलला के भव्य अयोध्या मंदिर में विराजमान होने के बाद यह पहली दिवाली है!

पीएम मोदी ने कहा कि उत्सव के माहौल में आज रोजगार मेले में 51,000 नौजवानों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मैं आप सबको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में परमानेंट सरकारी नौकरी देने का सिलसिला जारी है। भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी-अभी हरियाणा में नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का तोहफा मिला है। इन दिनों हरियाणा में एक उत्सव का माहौल है।

पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरी देती है, लेकिन बिना खर्ची-बिना पर्ची के नौकरी देती है। मैं आज हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को विशेष बधाई देता हूं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि हमारी नीतियों और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता है। आज एक्सप्रेस वे, हाइवे, रोड, रेल, पोर्ट, एयरपोर्ट, फाइबर लाइन बिछाने का काम, नए-नए उद्योगों का विस्तार, देश के कोने-कोने में हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने हर नई तकनीक में मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमवार को मैं वडोदरा में था। वहां मुझे डिफेंस सेक्टर के लिए एयरक्राफ्ट बनाने वाली फैक्ट्री का उद्घाटन करने का अवसर मिला। इस कारखाने में हजारों लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। लेकिन नौकरी के जितने अवसर तैयार होने हैं, उससे कहीं ज्यादा एयरक्राफ्ट के स्पेयर पार्ट्स बनाने के लिए बहुत सारे छोटे-छोटे कारखानों का जाल बनेगा।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितता के कांग्रेस के आरोपों पर चुनाव आयोग ने दी 1600 पन्नों में सफाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितता के कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है। आयोग ने कांग्रेस को 1600 पन्नों में जवाब भेजा है।

चुनाव आयोग ने पार्टी के हर आरोपों को निराधार, गलत, तथ्यहीन बताया है और कांग्रेस को पत्र लिखकर हर बार निराधार आरोप लगाने से बचने को कहा है। आयोग ने सामान्य संदेह फैलाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की है।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस से अपील की है कि वह मतदान और मतगणना जैसे संवेदनशील समय पर गैर-जिम्मेदाराना आरोप लगाने से बचे। चुनाव आयोग ने कहा कि ऐसे आरोपों से सार्वजनिक अशांति और अराजकता फैल सकती है। चुनाव आयोग ने पिछले एक साल में 5 विशिष्ट मामलों का हवाला दिया।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस से बिना सबूत के चुनावी प्रक्रिया पर आदतन हमले करने से बचने को कहा। पत्र में चुनाव आयोग ने लिखा कि पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोप लगाने से बचने के लिए निर्देशित किया जाता है। चुनाव आयोग ने पार्टी को सामान्य संदेह फैलाने के लिए आड़े हाथों लिया और इस तरह की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दृढ़ और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस से शिकायतों की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने को कहा है। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि याणा में चुनावी प्रक्रिया का प्रत्येक चरण 'त्रुटिहीन' था। चुनाव आयोग ने 1600 पन्नों में कांग्रेस की शिकायतों पर जवाब भेजा है। जिसमें चुनाव आयोग के अधिकारियों की प्रतिक्रिया भी शामिल है।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा है कि हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत में 99ः बैटरी वाली ईवीएम में भाजपा जीती है।

सुकमा में नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सुकमा(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने नक्सलवाद के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें कुल 19 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी जगरगुंडा क्षेत्र में की गई, जो नक्सल गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए 19 नक्सलियों में से 14 को जगरगुंडा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई नक्सलियों के खिलाफ चल रही सर्च ऑपरेशन का हिस्सा है, जिसमें पुलिस और सीआरपीएफ ने मिलकर नक्सलियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। इन गिरफ्तार नक्सलियों में से तीन पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह तीनों नक्सली विभिन्न वारदातों में शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान तब शुरू हुआ जब पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कई नक्सली गतिविधियां चल रही हैं। इसके बाद पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन शुरू किया और विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों से पुलिस को कई अहम जानकारी मिलने की संभावना है। पुलिस का मानना है कि गिरफ्तार किए गए नक्सलियों से यह पता चल सकेगा कि वे किन अन्य गतिविधियों में शामिल थे और उनके संपर्क में कौन लोग थे।

एनपीपीए ने दवा निर्माताओं को तीन कैंसर रोधी दवाओं पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने दवा निर्माताओं को तीन कैंसर रोधी दवाओं पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया है। सीमा शुल्क से छूट और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद इन तीन कैंसर रोधी दवाओं (ट्रैस्टुजुमाब, ओसिमर्टिनिब और डुरवालुमाब) की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) तय होने वाली है।

रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि एनपीपीए ने 28 अक्टूबर को जारी कार्यालय ज्ञापन में संबंधित निर्माताओं को तीन कैंसर रोधी दवाओं पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया है। यह वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट में की गई घोषणा के मुताबिक है, जिसमें इन तीन कैंसररोधी दवाओं को सीमा शुल्क से छूट दी गई है।

मंत्रालय ने कहा कि यह किफायती कीमतों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। ज्ञापन में विनिर्माताओं को निर्देश दिया गया है कि कि वे डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को एक मूल्य सूची या अनुपूरक मूल्य सूची जारी करें, जिसमें बदलावों का संकेत दिया जाए और मूल्य परिवर्तन के संबंध में फॉर्म-छ्छ या फॉर्म-ऋ के माध्यम से एनपीपीए को जानकारी प्रस्तुत की जाए।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय बजट 2024-25 में कैंसर से पीड़ित लोगों के वित्तीय बोझ घटाने के लिए तीन कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क में छूट देने का ऐलान किया था। सरकार ने इन तीन कैंसर दवाओं पर जीएसटी दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है।

ज्ञात रहे कि ट्रैस्टुजुमैब डेरक्सटेकन दवा का उपयोग स्तन कैंसर के लिए किया जाता है, ओसिमर्टिनिब का उपयोग फेफड़ों के कैंसर के लिए किया जाता है, जबकि डयूरवालुमैब फेफड़ों के कैंसर और पित्त पथ के कैंसर दोनों के लिए है।

कांग्रेस पर गाय के नाम पर राजनीति करने का आरोप

जयपुर (ईएमएस)। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर गाय के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गाय के नाम पर राजनीति कौन करता है, मैं आपको बताता हूं। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी था। बाद में हिंदुओं की भावनाओं को खरीदने के लिए इन्होंने अपना चुनाव चिन्ह गाय-बछड़ा रख लिया। फिर इनकी पार्टी में गौ हत्यारे शामिल होने लगे तो इन्होंने अपना चुनाव चिन्ह बदलकर हाथ का पंजा कर लिया। अब आप ही बताइए गाय के नाम पर राजनीति कौन कर रहा है। हम कर रहे हैं या कांग्रेस कर रही है। कांग्रेस को अपनी गिरेबान में झांकना चाहिए। गाय के नाम पर राजनीतिक लाभ उन्होंने लिया। राजनीतिक रोटियां सेकने के काम इन्होंने किया। यह हम पर आरोप लगा रहे हैं। यह इनका निंदनीय कृत्य हैं।

हम गाय की पूजा करते हैं

मदन राठौड़ ने कहा कि हम गाय की पूजा करते हैं। गाय की रक्षा केवल धार्मिक और आध्यत्मिक दृष्टि से ही नहीं होनी चाहिए। बल्कि ये हम सभी के लिए लाभकारी भी है। बीजेपी आमजन से लेकर किसान को गाय के महत्व को समझा रही है। गाय का मूत्र और अर्क बहुत कीमती है। गाय के गोबर से होने वाली जैविक खेती से पैदा होने वाली फसल के किसान को डेढ़ गुना दाम भी मिल रहे हैं। वहीं, हम किसानों को समझा रहे है कि गाय के गोबर से किस-किस तरह के उत्पाद बनाए जा सकते हैं। प्रदेश में गौशालाओं के विस्तार और उन्हें अनुदान देने का काम भी सबसे पहले भैरों सिंह शेखावत की सरकार ने शुरू किया था। उसके बाद वसुंधरा राजे की सरकार ने इसे आगे बढ़ाया। अब भजनलाल सरकार इस काम को कर रही है।

बीजेपी में वापस आए डूंगरपुर से पूर्व विधायक देवेन्द्र कटारा

डूंगरपुर से पूर्व विधायक देवेन्द्र कटारा की मंगलवार को घर वापसी हो गई है। देवन्द्र कटारा को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीजेपी जॉइन करवाई।

इस मौके पर मदन राठौड ने कहा, देवेन्द्र कटारा किसी वजह से नाराज होकर हमसे दूर हो गए थे। मैं कुछ दिन पहले चौरासी विधानसभा के दौरे पर गया था। वहां हमने इनसे संपर्क किया। इन्होंने मेरे कहते ही तुरंत पार्टी जॉइन की। इस मौके पर देवेंद्र कटारा ने कहा कि वे बिना शर्त पार्टी में शामिल हुए हैं। वे चौरासी विधानसभा में पार्टी को जिताने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

सलमान को धमकी देने वाला गिरफ्तार

नोएडा (ईएमएस)। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उनके बेटे जीशान और एक्टर सलमान खान को धमकी देने के आरोपी युवक को मुंबई पुलिस ने नोएडा से गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान मोहम्मद तैय्यब (20) के रूप में हुई है। एसीपी नोएडा प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को सूरजपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहां से मुंबई पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जाएगी।

छत्तीसगढ़-झारखंड शराब घोटाला केस में ईडी की रेड

- रायपुर में रची गई थी आबकारी नीति में फेरबदल की साजिश

रायपुर (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ और झारखंड में शराब घोटाला मामले में ईडी की टीम ने एक साथ छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि रायपुर के अशोका रतन में रहने वाले एक बार संचालक के घर पर छापा पड़ा। सुबह-सुबह ईडी की टीम बार संचालक के ठिकाने पर घुसी। वहीं छत्तीसगढ़ के अलावा ईडी की टीम ने मंगलवार सुबह झारखंड के सीनियर आईएएस अधिकारी विनय चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह समेत अन्य करीबी रिश्तेदार और संबंधित अधिकारियों के सीए के ठिकानों पर छापेमारी की है।

बताया जा रहा है कि झारखंड में हुए शराब घोटाले मामले में छत्तीसगढ़ में बैठकर नीति तय की गई थी। झारखंड के पूर्व उत्पाद (आबकारी) सचिव आईएएस विनय चौबे, और संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह से जुड़े रांची और रायपुर के करीबियों को ईडी ने घेरा है। रायपुर में अशोका रतन निवासी बार कारोबारी राठौर के ठिकाने पर जांच चल रही है। राठौर कटोरा तालाब स्थित एक बार का संचालक हैं।

ईओडब्ल्यू ने दर्ज की है एफआईआर

छत्तीसगढ़ पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू ने पहले ही इस मामले में उत्पाद विभाग के तत्कालीन सचिव विनय कुमार चौबे और संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। रांची के विकास कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराने को लेकर आवेदन दिया था। इसके बाद रायपुर में प्राथमिकी दर्ज हुई। आवेदन में बताया गया था कि शराब घोटाले की पूरी साजिश रायपुर में रची गई आबकारी नीति में फेरबदल कराया।

कासरगोड में धमाका, 150 घायल, 8 गंभीर

-आतिशबाजी के दौरान पटाखा गोदाम तक चिंगारी पहुंची, इसी से ब्लास्ट हुआ

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। केरल के कासरगोड के अंजुताम्बलम वीरारकावु मंदिर में सोमवार रात करीब 12:30 बजे आतिशबाजी के दौरान एक ब्लास्ट हुआ। इसमें 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। कासरगोड पुलिस ने बताया कि 8 लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंदिर में वार्षिक कलियाट्टम उत्सव के लिए 1500 लोग जुटे थे। यहां आतिशबाजी की जा रही थी, जिससे उठी चिंगारी पटाखों के गोदाम तक पहुंची, जहां आग लगने से ब्लास्ट हो गया। इस गोदाम में हजारों रुपए के पटाखे रखे थे। हादसे को लेकर मंदिर कमेटी के 2 मेंबर्स को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मंदिर कमेटी ने पटाखे जलाने और आतिशबाजी के लिए लाइसेंस भी नहीं लिया था।

नवाब मलिक की घोषणा, नहीं थामूंगा महायुति गठबंधन का झंडा

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में भाजपा के मना करने के बावजूद अजित पवार ने अपने नेतृत्व वाली राकांपा से जिन नवाब मलिक को टिकट दिया है उन्होंने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मालिक ने कहा है कि वे चुनाव के दौरान महायुति गठबंधन का झंडा नहीं थामेंगे बल्कि राकांपा का झंडा उठाएंगे। मालिक ने यह भी कहा कि उनके महाविकास अघाड़ी से मधुर सम्बन्ध हैं। नवाब मलिक फिलहाल प्रिवेंशन ऑफ मनी-लॉन्ड्रिंग एक्ट में मेडिकल ग्राउंड पर जमानत पर हैं।

दरअसल, ऐसी चर्चाएं थीं कि भाजपा नहीं चाहती थी कि नवाब मलिक को टिकट दिया जाए। उनके हालिया बयानों और उनकी इमेज की वजह से भाजपा ने ये फैसला किया था। इसके लिए अजित पवार पर प्रेशर भी बनाया गया था। टिकट को लेकर अजित पवार काफी समय तक चुप रहे। आखिरकार उन्होंने नवाब मलिक को मानखुर्द विधानसभा सीट से उम्मीदवार बना दिया। नामांकन के आखिरी दिन नामांकन दाखिल करने के बाद नवाब मलिक ने कहा, मैंने निर्दलीय और राकांपा के पर्चे पर नाम दाखिल किया है। राकांपा का पर्चा वापस होता है, तो मैं निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा।

नवाब मलिक अजित पवार के करीबी रहे हैं। उनकी अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मलिक जेल से जमानत पर बाहर आए, तो अजित पवार और शरद पवार दोनों गुट उन्हें अपने पाले में शामिल करने को आतुर दिखे। तब छगन भुजबल और अजित पवार नवाब मलिक के घर पहुंचे थे। जबकि शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख भी उनसे मिलने गए थे। हालांकि, नवाब मलिक ने अजित पवार का साथ चुना।

ईड़ी अधिकारियों ने शक्तियों का दुरुपयोग किया, हाईकोर्ट ने फटकार लगाई

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई हाईकोर्ट ने मनी लांड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार व्यक्ति को अंतरिम जमानत देते हुए ईड़ी के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ईड़ी ने गिरफ्तारी में अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है। हाईकोर्ट ने याचिका करता दीपक देशमुख को 8 साल पहले दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था। आरोपी को हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत

जन हितैषी

महंगाई की मार से त्रस्त जनता, रिजर्व बैंक का जुमले पर जुमला

देश में महंगाई का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। खाद्य तेल, सब्जियाँ, दालें और दवाइयों के दाम आसमान छू रहे हैं। रही सही कसर इंटरनेट के शुल्क ने पूरी कर दी है। टेलीकॉम कंपनियों ने इंटरनेट के रेट बढ़ा दिए हैं। एक ही परिवार में दो से तीन ओसतन स्मार्टफोन हैं। हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई पर काबू पाने का भरोसा दिलाते हुए एक जुमला फेंका है। जुमले और ज़मीनी हकीकत कुछ और ही स्थिति बयां कर रही है। विभिन्न खाद्य तेलों जैसे पाम ऑयल, सरसों तेल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के दामों में 25 से 35 फीसदी का भारी इजाफा हुआ है। इसके साथ ही, टमाटर, प्याज, आलू जैसी आवश्यक सब्जियों के दाम भी आम जनता की पहुँच से बाहर हो रहे हैं। दालों के दाम भी बढ़कर 250 से 300 रुपए प्रति किलो के आसपास पहुँच गए हैं। सिर्फ खाद्य पदार्थ ही नहीं, बल्कि अन्य जरूरी वस्तुएं और सेवाएं भी महंगी होती जा रही हैं। डॉक्टर की फीस, ट्रांसपोर्ट, मोबाइल के दाम और बिजली की दरें सभी में इज़ाफा हो रहा है। लेकिन यह सभी चीजें सरकारी महंगाई दर में सही से परिलक्षित नहीं होतीं, जो आम जनता को भ्रामक लगती हैं। देश में महंगाई से निचले और मध्यम वर्ग का जीवन कठिन होता जा रहा है। राहुल गांधी जैसे नेता भी जब इस समस्या को आम लोगों के बीच जाकर समझने की कोशिश करते हैं, तो वहाँ की स्थिति से यह स्पष्ट होता है कि आम आदमी की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में ही असफल हो रहे हैं। हालात इतने बुरे हैं कि एक आम नागरिक अपनी रोजी-रोटी भी ढंग से नहीं चला पा रहा है। इन हालातों में, नेस्ले के सीईओ की टिप्पणी की ओर भी ध्यान देना आवश्यक है, जिसमें उन्होंने भारत के मध्यम एवं निम्न वर्ग की आर्थिक तंगी पर चिंता जताई। उन्होंने साफ़ कहा कि देश का मध्यम वर्ग अत्याधिक वित्तीय तंगी में है।

सरकार को लगता है, जनता के पास बहुत पैसा है। यदि जनता को महंगाई और टैक्स से कोई परेशानी होती तो जनता सड़कों पर उतरती। कई राज्यों के विधानसभा हो गए। लोकसभा के चुनाव भी हो गए। यदि महंगाई कोई मुद्दा होती तो इसका असर मतदान में दिखता। इसी कारण सरकार महंगाई और बेरोजगारी को कोई मुद्दा नहीं मानती है। सरकार हर बार महंगाई कम होने का जुमला फेंकती है। आम जनता उसे सही मान लेती है। हाल ही हरियाणा में भाजपा को ऐतहासिक जीत हासिल हुई है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव होने वाले हैं। अन्तरराष्ट्रीय बजारों में कच्चे तेल के दाम 35 फीसदी तक घट गए हैं। सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटाये हैं। इससे स्पष्ट है, सरकार महंगाई को मुद्दा नहीं मानती है। विपक्ष जरूर चिल्लाता रहता है। यदि महंगाई वास्तव में कोई मुद्दा होता तो जनता सड़कों पर आती। जिस तरह से भाजपा ने हरियाणा का चुनाव जीता है, उससे स्पष्ट है कि देश में महंगाई कोई मुद्दा नहीं है। यदि है भी तो जनता ने उसे स्वीकार कर लिया है। इसलिये सरकार को जरा भी चिंता नहीं है। जुमलों से काम चल रहा है।

जीवन में ज्ञान का दीपक जलाना ही असली दिवाली!

दिवाली हमेशा से अमावस्या के दिन ही मनाई जाती है। 31 अक्टूबर यानी गुरूवार को अमावस्था तिथि दिन में 2 बजकर 40 मिनट से लग रही है। इस कारण दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी।दिवाली के त्योहार पर रात्रि में अमावस्या तिथि होनी चाहिए जो कि 1 नवंबर 2024 को शाम के समय नहीं है। ऐसे में दिवाली का त्योहार 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दिवाली के दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है।इस बार लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त 31 अक्टूबर 2024 को शाम 5 बजे से लेकर रात के 10 बजकर 30 मिनट तक है।दिवाली पर लक्ष्मी पूजन हमेशा अमावस्या तिथि के रहने पर और प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के बाद से लेकर देर रात तक करने का विधान होता है यानी अमावस्या तिथि, प्रदोष काल और निशिताकाल के मुहूर्त में दिवाली मनाना शुभ माना गया है। जिस दिन कार्तिक महीने की अमावस्या तिथि रहें तो प्रदोष काल से लेकर आधी रात को लक्ष्मी पूजन करना और दिवाली मनाना ज्यादा शुभ व शास्त्र सम्मत रहता है। मां लक्ष्मी का प्रादुर्भाव प्रदोष काल में ही हुआ था, जिसके चलते निशीथ काल में मां लक्ष्मी की पूजा और उनसे जुड़े सभी तरह की साधनाएं आदि करना विशेष महत्व का होता है। स्थिर लग्न में मां लक्ष्मी का पूजन करने से महालक्ष्मी स्थिर रहती हैं। ऐसे में दिवाली पर प्रदोष काल में पड़ने वाले वृषभ लग्न में ही महालक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन करना अति उत्तम रहेगा। पंचांग के अनुसार 31 अक्तूबर को वृषभ लग्न शाम को 6:25 से लेकर रात्रि 8:20 तक रहेगा। साथ ही इस समय प्रदोष काल भी मिल जाएगा। प्रदोषकाल, वृषभ लग्न और चौघड़ियां का ध्यान रखते हुए लक्ष्मी पूजन के लिए 31 अक्तूबर की शाम को 06:25 से लेकर 7:13 के बीच का समय सर्वोत्तम रहेगा। कुल मिलाकर 48 मिनट का यह मुहूर्त लक्ष्मी पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ रहेगा।

दिवाली की तैयारियां कई दिनों पहले से की जा रही है। दिवाली पर पूरे घर की साफ सफाई के साथ ही घर को दीयों और रंगबिरंगी लाइटों से सजाया जाता है। हर वर्ष दीपोत्सव का पर्व 5 दिनों तक धनतरेस से शुरू होकर नरक चतुर्दशी यानि छोटी दिवाली , बड़ी दिवाली, गोवर्धन पूजा और अंत मे भाई दूज पर्व के रूप में मनाया जाता है। जब

भगवान राम चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा असुरी वृत्तियों के प्रतीक रावणादि का संहार करके अयोध्या लौटे थे ,तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसीलिए दिवाली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीप जलाए। वही इसी दिन भगवान विंष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए।जैन मत के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही पड़ता है। सिक्खों के लिए भी दिवाली महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में सन 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। इसके अलावा सन1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था।

नेपाल में यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है। स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ था। स्वामी रामतीर्थ ने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली थी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अपने प्राण त्याग दिये थे। हिंदुओं में इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी,विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

ब्रह्मपुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं और प्रत्येक सद्गृहस्थ के घर में विचरण करती हैं। जो घर हर प्रकार से स्वच्छ, शुद्ध और सुंदर तरीके से सुसज्जित और प्रकाशयुक्त होता है वहां अंश रूप में ठहर जाती हैं और गंदे स्थानों की तरफ देखती भी नहीं।

इसलिए इस दिन घर-बाहर को ख़ूब साफ-सुथरा करके सजाया-संवारा जाता है। कहा जाता है कि दिवाली मनाने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सदगृहस्थों के घर निवास करती हैं।त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है,वह दिवाली के दिन यह पर्व श्रखंला पूरे चरम पर होती है। यह पर्व अलग-अलग नाम और विधानों से पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इसका एक कारण यह भी कि इसी दिन अनेक विजयश्री युक्त कार्य हुए हैं। बहुत से शुभ कार्यों का प्रारम्भ भी इसी दिन से माना गया है। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। विक्रम संवत का आरंभ भी इसी दिन से माना जाता है। यानी यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है। इसी दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं तथा लाभ-हानि का ब्यौरा तैयार करते हैं।हर प्रांत या क्षेत्र में दीवाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है। लोगों में दिवाली की बहुत उमंग होती है। लोग अपने घरों का कोना-कोना साफ करते हैं, नये कपड़े पहनते हैं। मिठाइयों के उपहार एक दूसरे को बांटते हैं,एक दूसरे से मिलते हैं।

घर-घर में सुन्दर रंगोली बनाई जाती है, दिये जलाए जाते हैं और आतिशबाजी की जाती है। बड़े छोटे सभी इस त्योहार में भाग लेते हैं। यह पर्व सामूहिक व व्यक्तिगत दोनों तरह से मनाए जाने वाला ऐसा विशिष्ट पर्व है जो धार्मिक,सांस्कृतिक व सामाजिक विशिष्टता रखता है।

दीपों के पर्व की हमारे जीवन में बहुत महत्ता है। मनुष्य के जीवन में आज अज्ञानता का अंधकार तेजी से फैलता जा रहा है। यदि हमें इससे दूर करने का प्रयास नहीं करेंगे तो जीवन में कभी भी रोशनी का प्रकाश नहीं फैल पाएगा। हम केवल रस्मों के रूप में ही दिवाली मना लेते है, लेकिन उसके आध्यात्मिक रहस्यों से विमुख हो रहे हैं। यदि हमें हर घर को रोशन करना है तो जीवन में ज्ञान का दीपक जलाना होगा। हमारा पर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को किसी ना किसी रूप में आध्यात्मिक सत्ता से जोड़ता है।व्यर्थ के चिंतन से जब तनाव पैदा होता है तो हमारे सोचने का तरीका का तरीका बदल जाता है । हमें महसूस होता है कि जैसे किसी ने हमारे मन में जहर घोल दिया हो। इसलिए हमेशा अपने मन को अच्छे विचारों के साथ भरना चाहिए ताकि मन मे खुशियो का प्रकाश जगमगाता रहे। जितनी भी समस्याएं पैदा होती है वह कमजोर मन की उपज है। मन का भोजन अच्छा होगा तो अच्छे विचार जन्म लेंगे जो हमें गलत फहमियों से हमेशा दूर रखने में मदद करते है। इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बनता है। हमेशा सकारात्मक सोचो, नकारात्मक विचारों की मन में कभी भी जगह न बनने दो। आत्मा की बैटरी को हमेशा चार्ज रखने के लिए सुबह शाम 20 मिनट तक मेडीटेशन जरूर करनी चाहिए। हर इंसान में कुछ न कुछ अच्छे गुण होते है, इसलिए अच्छे गुणों को धारण करने में कभी भी पीछे नही रहना चाहिए।तभी मन की सच्ची दिवाली सुख और समृद्धि को जन्म दे सकती हैऔर हम दिवाली का सच्चा रसानन्द प्राप्त कर सकते है।वास्तविक प्रकाश हमे अपने मन के अंदर करना है,जहां बुराई रूपी तमस दूर हो सके और अच्छाई रूपी प्रकाश प्रज्ज्वलित हो सके। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ साहित्यकार है)

अग्नि परीक्षा का दौर- महाराष्ट्र-झारखण्ड चुनाव... नब्ज पर हाथ...?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली 'अग्नि परीक्षा' नवम्बर माह में दो प्रमुख राज्यों महाराष्ट्र व झारखण्ड के विधान सभा चुनावों के साथ होने जा रही है। पूरे देश पर 'चक्रवर्ती' सम्राट के सुनहरें सपने देखने वाली, भारतीय जनता पार्टी फिलहाल तो काफी बढ़- चढ़कर नित नए दावे कर रही है, किंतु साथ ही वह यह भी जानती है कि उसकी 'दुखती नब्ज' कहां है और उसका इलाज किसके पास है? मोदी जी की इस अग्नि परीक्षा का फैसला नवम्बर में ही होने वाला है, इस अग्नि परीक्षा में खरी उतरने के बाद भारतीय जनता पार्टी निकट भविष्य में चुनाव होने वाले राज्यों के लिए अपनी रणनीति तैयार करेगी और तभी मोदी जी के व्यक्तित्व का असर भी नजर आएगा। वैसे राजनीतिक पण्डित पिछले लोकसभा चुनावों को ही मोदी जी की लोकप्रियता का 'थर्मामीटर' मानकर चल रहे है, जिसमें यह स्पष्ट हो गया कि पहली बार प्रधानमंत्री बनते समय जो उन्हें लोकप्रियता के आधार पर बहुमत मिला था, वह दूसरे और तीसरे चुनाव में नही मिल पाया, अब जबकि वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने है, तब उन्हें दूसरे छोटे-मोटे दलों की बैसाखियों का सहारा लेना पड़ा। भाजपा को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नही मिल पाया, जबकि वे नेहरू व इंदिरा जी से अपनी तुलना करते कई बार नजर आए है, आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने करीब सत्रह साल प्रधानमंत्री के रूप में काम किया था और उनके बाद उनकी बेटी इंदिरा जी ने भी करीब-करीब इतने ही समय देश पर राज किया, दोनों की मौत प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए ही हुई, नेहरू जी को 'ब्रेन हेमरेज' हुआ और इंदिरा जी की हत्या हुई, किंतु इतना अर्सा गुजर जाने के बाद आज भी इन दोनों के शासनकाल को याद किया जाता है।

अब हमारे मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी भी वही सपना देख रहे है, जबकि वे जानते है कि अब न तो नेहरू-इंदिरा के समय की राजनीति रही और न ही नेता के प्रति उतना समर्पण भाव, आज की राजनीति से 'जनसेवा' का पूरी तरह लोप हो चुका है और आज की राजनीति का एकमात्र लक्ष्य 'सत्ता' और 'कुर्सी' हो गया है, इस स्थिति के लिए अकेली राजनीति ही दोषी नही है, इसके लिए मतदाता भी जिम्मेदार है, जिसमें आज न देशभक्ति, न सेवा का भाव शेष रहा है और न ही राष्ट्रप्रेम का कोई अंश, कहने का तात्पर्य यह कि आज की राजनीति-राजनेता और उन्हें नेता बनाने वाली जनता भी भरोसे के लायक नही रही है, अर्थात् आज हर कहीं राजनीति ही हावी हो गई है, फिर वह चाहे मतदाता का व्यक्तिगत जीवन ही क्यों न हो? अर्थात् ऊपर से नीचे तक 'बाड़ा बिगडा' हुआ है, आज देश का आम मतदाता अपनी समस्या से जूझ रहा है, तो सत्ता की कुर्सी पर विराजित राजनेता अपने नशे में झूम रहा है और इस प्रकार किसी को किसी की भी चिंता नही है, यह है आज की राजनीति, देश में हर कहीं भूख, बैरोजगारी, उत्पीड़न, अत्याचार का नजारा नजर आ रहा है, फिर भी देश भगवान भरोसे चल ही रहा है, वह भगवान चाहे राजनेता हो या वास्तविक नीली छत्तरीवाला ईश्वर। इसीलिए विश्व में सबसे ज्यादा भगवान पूजक भारत में ही है और राम-कृष्ण ने भी भारत में ही अवतार लेना उचित समझा।

इस प्रकार कुल मिलाकर जिस देश को अतीत में 'विश्वगुरू' का दर्जा प्राप्त था, आज वह कई देशों का शिष्य बनने को मजबूर है और आज यही समय की बलिहारी है, इसीलिए हम धर्मावलम्बी हर जुल्म व तकलीफ को 'कलियुग' के साये के भरोसे छोड़कर आत्म संतुष्टि प्राप्त कर लेते है।

इस प्रकार इसी राजनीतिक दौर की चादर में महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव परिणाम भी छिपे है, जिन्हें भाजपा अपने 'चक्रवर्ती' होने का हिस्सा मान रही है(लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

बिहार को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास?

राजनैतिक यात्राओं से बिहार का गहरा नाता रहा है। भारतीय जनता पार्टी नेता लालकृष्ण आडवाणी ने जब सोमनाथ से अयोध्या तक की रथ यात्रा निकाली थी उस दौरान अयोध्या पहुँचने से पहले ही बिहार के समस्तीपुर में 22 अक्टूबर 1990 को तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया था। उस समय विश्वनाथ प्रताप सिंह भारत के प्रधानमंत्री थे। केंद्र में नेशनल ंट की भाजपा के समर्थन से चलने वाली सरकार थी। अडवाणी की रथ यात्रा जहाँ जहाँ से गुज़र रही थी वहाँ सांप्रदायिक माहौल ख़राब हो रहा था। कई जगह साम्प्रदायिक दंगे भी भड़क उठे थे। एक तरफ़ अडवाणी समर्थक पूरी यात्रा के दौरान जय श्रीराम और सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे जैसे नारे लगा रहे थे वहीँ दूसरी तरफ़ लालू यादव का मत था की इसतरह की यात्रा से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ रहा है। इस यात्रा का देश की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ा। भाजपा ने आडवाणी की गिरफ़्तारी के विरोध स्वरूप विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार से समर्थन वापस ले लिया। दूसरी तरफ़ इस आंदोलन ने भाजपा में एक नई जान फूँक दी।

उसके बाद जनवरी 2024 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिस समय मणिपुर से मुंबई तक देश के 15 राज्यों के 110 ज़िलों की यात्रा पर थे उस दौरान उन्होंने भी बिहार में चार दिनों में 425 किलोमीटर की दूरी किशनगंज, पूर्णिया ,कटिहार व अररिया जैसे ज़िलों में की थी। इस यात्रा का नाम था भारत जोड़ो न्याय यात्रा। इस यात्रा में राहुल समाज के सभी वर्गों को जोड़ने तथा समाज के शोषित वर्ग को न्याय दिलाने की बात किया करते थे। इसके अतिरिक्त भी बिहार की जो यात्रायें चर्चित रहीं उनमें विकासशील इंसान पार्टी (वी आई पी) प्रमुख मुकेश सहनी की निषाद संकल्प यात्रा , प्रशांत किशोर की जन सुराज यात्रा तथा सीपीआई-एमएल की न्याय यात्रा व तेजस्वी यादव की कार्यकर्त्ता संवाद यात्रा उल्लेखनीय है। परन्तु गत 18 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा जो 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' शुरू की गयी थी उसके तेवर,मक़सद व नीयत सब कुछ विवादित था। यही वजह थी कि न केवल बीजेपी ने गिरिराज सिंह की इस यात्रा से ख़ुद को अलग रखा बल्कि बिहार में बीजेपी की सत्ता सहयोगी जनता दाल यूनाइटेड ने भी इस यात्रा का विरोध किया। जिसके चलते गिरिराज सिंह को यह यात्रा 20 अक्टूबर को ही रोकनी पड़ी। परन्तु इस बीच भागलपुर से शुरू हुई उनकी यात्रा किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया होते हुये अररिया पहुँच चुकी थी। यह ज़िले सीमांचल क्षेत्र के ज़िले कहे जाते हैं। जहाँ मुसलमानों की घनी आबादी है। यह वही इलाक़े हैं जिनमें कई सीटों पर असदुद्दीन ओवैसी भी बड़ी उम्मीदें लेकर अपने उम्मीदवार तो ज़रूर खड़ा करते हैं परन्तु क्षेत्र के लोग उनके झांसे में भी नहीं आते।

सवाल यह है कि स्वयं केंद्रीय मंत्री होने तथा बिहार में भी भाजपा-जे डी यू गठबंधन की सरकार होने के बावजूद गिरिराज सिंह को राज्य में 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' निकालने की ज़रुरत क्यों महसूस हुई? ऐसा तो संभव नहीं है कि वह यात्रा की योजना बना रहे हों और उन्हीं की पार्टी को इस यात्रा की जानकारी न हो ? और यदि यात्रा शुरू हो ही चुकी थी तो किन कारणों से भाजपा ने इस यात्रा से अपना पल्ला झाड़ा और यात्रा निर्धारित समापन तिथि से पहले ही समाप्त कर दी गयी ? माना जा रहा है कि भाजपा अपने सहयोगी व बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार से नाराज़गी मोल नहीं लेना चाहती थी। क्योंकि जहां केंद्र में नीतीश कुमार के समर्थन से भाजपा की सरकार चल रही है वहीँ बिहार में भाजपा, नीतीश कुमार की जे डी यू-भाजपा सरकार में सहयोगी है। ज़ाहिर है गिरिराज सिंह की यात्रा को लेकर भाजपा नीतीश कुमार से नाराज़गी मोल नहीं लेना चाहती थी। इस वजह से भी गिरिराज सिंह की यात्रा को पार्टी ने समर्थन भी नहीं दिया और यात्रा भी बीच में ही रुकवा दी।

परन्तु इस यात्रा के मक़सद को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। एक तो यह कि क्या यह यात्रा पड़ोसी राज्य झारखण्ड में 13 से 20 नवंबर के दौरान होने जा रहे विधान सभा चुनवों के मद्देनज़र शुरू की गयी थी ताकि साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रभाव पड़ोसी राज्य के नाते झारखण्ड चुनाव पर पड़ सके ? या फिर 13 नवंबर को बिहार में चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली गयी थी ? या इस यात्रा का मक़सद 2025 में बिहार में प्रस्तावित आम विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के माहौल को गर्म करना था ? राजनैतिक विश्लेषकों द्वारा हालांकि यात्रा के मक़सद को लेकर उपरोक्त क़यास लगाये जा रहे हैं। परन्तु इस राज्य में पूर्ण रूप से साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल खेलना उस तरह शायद संभव नहीं जैसा कि गुजरात,मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश व उत्तरांचलव असम जैसे राज्यों में किया गया है या करने की कोशिश की जा रही है।

शायद इन्हीं कोशिशों के तहत गिरिराज सिंह ने अपनी यात्रा की शुरुआत अपने लोकसभा क्षेत्र बेगूसराय से लगभग 150 किलोमीटर दूर उस भागलपुर से की जो 1989 में साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस चुका था। परन्तु आज वहां पूर्ण शांति है। यही वजह थी कि उन्होंने 19 अक्टूबर को कटिहार में अपनी इसी यात्रा के दौरान लव जिहाद, लैंड जिहाद थूक जिहाद तथा रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ जैसे नफ़रत फैलाने वाले कई काल्पनिक व आभासी मुद्दे उठाये। उनकी यात्रा भी सीमांचल क्षेत्र कहे जाने वाले अररिया,कटिहार, पूर्णिया और किशनगंज जैसे मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों से गुज़री। बिहार एक एक ऐसा राज्य भी है जहाँ का बहुसंख्य हिन्दू मांसाहारी है। यह बात गिरिराज सिंह को भी मालूम है। इसलिये वह यहाँ शाकाहार पर प्रवचन देने से बचते हैं परन्तु लोगों को हलाल मांस न खाने और झटका मांस खाने का ज्ञान ज़रूर बांटते हैं। इस यात्रा का समय भी वह था जबकि उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले का महराजगंज क़स्बा साम्प्रदायिक हिंसा का सामना कर रहा था।

दरअसल गिरिराज सिंह भाजपा के स्टार फ़ायर ब्रांड नेताओं में स्वयं को योगी आदित्यनाथ व हिमंत विस्वा सरमा की तरह स्थापित करना चाहते हैं। ज़ाहिर है किसी भी पार्टी का कोई भी नेता जब अपनी सकारत्मक सोच,जनता के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों व विकास सम्बन्धी योजनाओं के बल पर अपनी पहचान नहीं बना पाता तो उसके लिये सबसे आसान तरीक़ा यही होता है कि वह धर्म व साम्प्रदायिकता की राजनीति करे। और जब भाजपा जैसे राजनैतिक दल इन नेताओं को टिकट देकर मंत्री व मुख्यमंत्री बनाने लगें तो इससे उनकी हौसला अफ़ज़ाई होनी भी स्वभाविक है। गिरिराज सिंह भी अपने दिल में कुछ ऐसी ही दूरगामी राजनैतिक इच्छाओं को पाले हुये बिहार जैसे सद्भावपूर्ण राज्य को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। संपर्क 9896219228 (लेखक – तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

नरक चतुर्दशी : यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व

(नरक चतुर्दशी (30 अक्तूबर) पर विशेष)

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 30 अक्तूबर को मनाया जाएगा या 31 अक्तूबर को। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 30अक्तूबर को दोपहर1बजकर 15 मिनट से शुरु हो रही है और चतुर्दशी तिथि अगले दिन यानी 31अक्तूबर को दोपहर 3बजकर 52मिनट पर समाप्त होगी।

यम चतुर्दशी की पूजा चूंकि प्रदोष काल यानी शाम के समय ही की जाती है, इसीलिए नरक चतुर्दशी 30 अक्तूबर को ही मनाई जाएगी। इस दिन शाम 5 बजकर 30 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। 'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है। (लेखक-योगेश कुमार गोयल) (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 8172

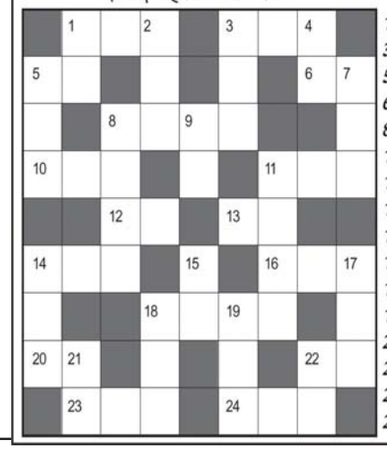

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8171 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

यशस्वी तीसरे टेस्ट में दो छक्के लगाते ही बनायेंगे नया रिकार्ड

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल यहां 1 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में कए अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। इसके लिए यशस्वी को केवल दो छक्के चाहिये। इसी के साथ ही वह पूर्व कीवी क्रिकेटर ब्रैंडन मैकुलम से आगे निकल जाएंगे। साल 2014 क्रिकेट सीजन में मैकलुम ने 33 छक्के लगाए थे और तभी से उनका ये रिकॉर्ड बना हुआ है। कोई खिलाड़

धनतेरस पर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 364 अंक , निफ्टी 127 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। धनतेरस पर घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई बीएसई सेंसेक्स 363.99 अंक करीब 0.45 फीसदी बढ़कर 80,369.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 127.70 अंक तकरीबन 0.52 फीसदी उछलकर 24,466.85 अंक पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीददारी से बाजार में ये तेजी आई है।

आज कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

वहींमें मारुति, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर गिरे हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 3,228.08 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे जबकि डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशक) ने 1,400.85 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही ऊपर आया जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान के साथ ही नीचे आया। यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही। अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) 0.66 फीसदी उछलकर 71.89 डॉलर प्रति बैरल रहा।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से मिल रहे पॉजिटिव रुझानों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने कारोबार की शुरुआती मामूली गिरावट के साथ की। शुरुआती कारोबार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 21.55 अंक की मामूली गिरावट के साथ 79,983.5 पर खुला। वहीं दूसरी तरफ 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी-50 ने 15 अंक की हल्की गिरावट के साथ 50 24,324 पर कारोबार की शुरुआती की

वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखा गया। जापान का निक्की 225 लगभग स्थिर रहा, जबकि टॉपिक्स में 0.3 फीसदी की बढ़त हुई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.4 फीसदी गिरा, और कोस्डाक में 0.41 फीसदी की गिरावट देखी गई। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स ने ऊंची शुरुआत का संकेत दिया। कल रात अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 273.17 अंक की बढ़त के साथ 42,387.57 पर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 15.4 अंक चढ़कर 5,823.52 पर पहुंच गया। नैस्डैक कंपोजिट 48.58 अंक की बढ़त के साथ 18,567.19 पर बंद हुआ।

धनतेरस पर सोना-चांदी के बढ़े भाव

- सोने का भाव 78,810 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 97,737 रुपए प्रति किलोग्राम

नईदिल्ली (ईएमएस)। देशभर में मंगलवार को धनतेरस का पर्व मनाया जा रहा है। धनतेरस के दिन सोना, चांदी, बर्तन, भूमि और वाहन की खरीदारी शुभ मानी जाती है। धनतेरस के ?दिन सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 78,810 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी 0.32 फीसदी चढ़कर 97,737 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास है। धनतेरस के दिन सोना या चांदी, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, बर्तन, झाड़ू, सूखा धनिया आदि चीजें खरीदनी चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि धनतेरस के दिन ये चीजें घर लाने से व्यक्ति पर भगवान धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।

साथ ही व्यक्ति को कभी भी धन की कमी नहीं होती है। वहीं विदेशी बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 400 रुपए की गिरावट के साथ 81,100 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोने ने शनिवार को क्रमशः 81,500 रुपए और 81,100 रुपए प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्चस्तर हासिल कर लिया था। हालांकि, चांदी 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

इस बीच सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 400 रुपए घटकर 80,700 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में सुस्ती के रुख के बीच स्थानीय बाजारों में आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की मांग में कमी से सोने की कीमतों में गिरावट आई।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारतीय अर्थ व्यवस्था का प्रदर्शन संतोषजनक रहा: वित्त मंत्रालय

- त्यौहारी सीजन के कारण मांग में अपेक्षित सुधार और सरकारी व्यय में इजाफे से मिल रही है मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन आगे मांग की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अच्छा है, जिसे स्थिर बाह्य क्षेत्र, सकारात्मक कृषि परिदृश्य, त्यौहारी सीजन के कारण मांग में अपेक्षित सुधार और सरकारी व्यय में इजाफे से मदद मिल रही है। इससे निवेश गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा सोमवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा के सितंबर संस्करण में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति पर नजर रखी जानी चाहिए। उपभोक्ता भावना में नरमी, सामान्य से अधिक वर्षा के कारण सीमित ग्राहक संख्या, तथा मौसमी अवधि के दौरान लोग नई खरीदारी से परहेज करते हैं, के कारण शहरी मांग में कमी आती दिख रही है। इसके अलावा कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ने, भू-आर्थिक विखंडन गहराने तथा वित्तीय बाजारों में ऊंचे मूल्यांकन से विकास के लिए जोखिम उत्पन्न हो रहे हैं।

इसमें कहा गया है कि भारत पर इनके प्रभाव से नकारात्मक संपत्ति प्रभाव पड़ सकता है, घरेलू भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं तथा टिकाऊ वस्तुओं पर खर्च करने की मंशा बदल सकती है। दो महीने तक कम मुद्रास्फीति के बाद, उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़ गई, जिसका मुख्य कारण कुछ सब्जियों की आपूर्ति पर अनियमित मानसून का प्रभाव था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ सब्जियों की कीमतों में तीव्र वृद्धि को छोड़कर मुद्रास्फीति पर पूरी तरह नियंत्रण है। मध्यम अवधि में जलाशयों में पानी बढ़ने और खरीफ फसल की अच्छी बुवाई से कृषि उत्पादन की संभावनाएं बढ़ेंगी इसके अलावा पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, मूल्य दबाव को नियंत्रित करने में मददगार होगा।

1 नवंबर से नियमों में बड़ा बदलाव होगा, आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर

- एलपीजी की कीमत से लेकर म्यूचुअल फंड तक सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले महीने 1 नवंबर से आम आदमी से जुड़ी कई चीजों में बदलाव होने जा रहा है। इसमें एलपीजी की कीमतों से लेकर और म्यूचुअल फंड तक के नियम शामिल हैं। दरअसल, हर महीने की पहली तारीख को कई बदलाव होते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी कंपनियां भी अपने नियमों में बदलाव करती हैं। इन बदलावों का आम आदमी के जेब पर सीधा असर आम पड़ता है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम: आमतौर हर महीने की एक तारीख को सरकार एलपीजी के दाम में बदलाव करती है। मर्शियल गैस सिलेंडर से लेकर रसोई गैस के दाम में बदलाव देखा जाता है। ऐसे में इस बार भी एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। अक्टूबर में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़े थे, जबकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इस बार 14 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती होने की उम्मीद जताई जा रही है।

म्यूचुअल फंड्स में इनसाइडर ट्रेडिंग रोकने के लिए लागू होंगे नए नियम: अगर आप म्यूचुअल फंड में पैसा लगाते हैं या लगाने की सोच रहे हैं तो इसस जुड़ा एक नियम जान लें, जो 1 नवंबर से लागू होने जा रहा है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने म्यूचुअल फंड्स में इनसाइडर ट्रेडिंग को रोकने के लिए नए नियम जारी किए हैं। ये नियम 1 नवंबर से लागू होगा। सेबी ने म्यूचुअल फंड यूनिट्स को 'इनसाइडर ट्रेडिंग' नियमों के तहत शामिल किया है यानी अब म्यूचुअल फंड्स के यूनिट्स पर भी वैसे ही नियम लागू होंगे जैसे अन्य सिक्योरिटीज पर होते हैं।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड के नियम में बदलाव: एसबीआई के क्रेडिट कार्ड के जरिए एक स्टेटमेंट साइकिल में 50 हजार रुपये से ज्यादा के यूटिलिटी बिल पेमेंट पर 1 फीसदी एक्सट्रा चार्ज लिया जाएगा। एसबीआई ने शौर्य/डिफेंस क्रेडिट कार्ड को छोड़कर सभी अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड के फाइनेंस चार्ज में भी बदलाव किया है। अब एसबीआई के अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड पर 3.75 फीसदी फाइनेंस चार्ज लगेगा। ये नियम भी 1 नवंबर, 2024 से लागू होंगे।

1 नवंबर से कॉलिंग का बदलेगा ये नियम: 1 नवंबर से मैसेज ट्रैसेबिलिटी लागू हो जाएगा। सरकार ने टेलीकॉम कंपनियों को मैसेज ट्रैसेबिलिटी लागू करने का निर्देश दिया है। मोबाइल पर आने वाले मैसेज की जांच की जा सकेगी। इससे फेक कॉल्स और स्पैम को रोकने के लिए कुछ कीवर्ड्स की पहचान की जाएगी।

13 दिनों तक बैंकों में कोई काम नहीं: भारतीय रिजर्व बैंक ने नवंबर के लिए बैंक हॉलिडे लिस्ट जारी कर दी है। इसके मुताबिक नवंबर में कुल 13 दिन बैंकों में छुट्टी रहेगी।

जिनपिंग को झटका, इस देश ने बीआरआई में शामिल होने से किया इंकार

भारत के बाद बिक्स समूह में शामिल दूसरा देश

ब्रासीलिया (ईएमएस)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ड्रीम प्रॉजेक्ट, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई), को एक और बड़ा झटका लगा है। ब्राजील ने साफ कर दिया है कि वे इस महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा नहीं बनेगा। इसके पहले, चीन ने योजना बनाई थी कि नवंबर में जिनपिंग की ब्राजील यात्रा के दौरान बीआरआई के विस्तार पर जोर दिया जाएगा।

दरअसल अमेरिका ने ब्राजील को आगाह किया था कि वह बीआरआई के संभावित खतरों की समीक्षा करे, जिसे अक्सर चीन के कर्ज के जाल के रूप में देखा जाता है। इस चेतावनी के बाद ब्राजील की सरकार ने बीआरआई में शामिल न होने का निर्णय लिया।

ब्राजील के राष्ट्रपति के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेष सलाहकार सेल्सो अमोरिम ने कहा, ''हम बीआरआई को आगे बढ़ाने पर हस्ताक्षर नहीं करने वाले है। हमारा उद्देश्य है कि हम चीनी निवेशकों के साथ सहयोग करें, लेकिन बिना बीआरआई के आधिकारिक तौर पर शामिल हुए।''

ब्राजील का दृष्टिकोण

अमोरिम ने स्पष्ट किया कि ब्राजील चीनी आधारभूत ढांचे और व्यापार परियोजनाओं को बीमा पॉलिसी के रूप में नहींलेना चाहता। उन्होंने कहा, हम कुछ फ्रेमवर्क को ब्राजील के आधारभूत ढांचा प्रोजेक्ट से जोड़ना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हमें बीआरआई पर साइन नहीं करना पड़ेगा।ब्राजीलकायह फैसला चीनी योजना के खिलाफ है, जो कि नवंबर में शी जिनपिंग की यात्रा के दौरान बीआरआई के विस्तार की आशा कर रहा था।

ब्राजील के राजनयिकों ने सलाह दी थी कि अमेरिका के चुनावों के परिणाम आने तक बीआरआई में शामिल होने की घोषणा टाल दें। यदि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बनते हैं, तब ब्राजील का बीआरआई में शामिल होना अल्पकालिक लाभ दे सकता है, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम अमेरिकी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस निर्णय से यह स्पष्ट होता है कि ब्राजील और भारत जैसे देशों की रणनीतिक प्राथमिकताएं अमेरिका के साथ उनके संबंधों को अधिक महत्व देती हैं।

दिवाली की बधाई: नासा एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स का खास संदेश

वॉशिंगटन (ईएमएस)। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से दुनिया भर में दिवाली की शुभकामनाएं भेजी हैं। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा कि इस साल उन्हें 260 मील (418 किमी) की ऊँचाई पर पृथ्वी से दिवाली मनाने का अनूठा मौका मिला है।

सुनीता ने कहा, मैं वॉइट हाउस और दुनिया भर में आज दिवाली मना रहे सभी लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहती हूं। उन्होंने अपने पिता को याद कर बताया कि कैसे उन्होंने उन्हें और उनके परिवार को दिवाली और अन्य भारतीय त्यौहारों से जोड़े रखा। उन्होंने कहा, दिवाली खुशी का मौका है, क्योंकि इस दिन दुनिया में अच्छाई की जीत होती है।

व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह

सुनीता का यह संदेश तब समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वॉइट हाउस में दिवाली समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में 600 से अधिक सम्मानित भारतीय अमेरिकियों ने हिस्सा लिया। बाइडन ने कहा, मुझे व्हाइट हाउस में अब तक के सबसे बड़े दिवाली रिसेप्शन की मेज़बानी करने का सम्मान मिला है।

हिजबुल्लाह ने नईम कासिम को बनाया नया चीफ ,नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद फैसला

बेरुत (ईएमएस)। इजराइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत के 32 बाद हिजबुल्लाह ने नए चीफ की घोषणा की है। डिप्टी लीडर नईम कासिम को मंगलवार को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। हिजबुल्लाह की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया है कि कासिम को इस पद के लिए चुना है, क्योंकि उन्होंने संगठन के उसूलों का हमेशा पालन किया है। अल्लाह उन्हें अपने मिशन में कामयाब होने का रास्ता दिखाए।

कासिम संगठन में अब तक नंबर 2 की पॉजिशन पर था। नसरल्लाह की मौत के बाद कासिम ने ही लेबनान की जनता को संबोधित किया था। कासिम ने 5 अक्टूबर को बेरूत छोड़ दिया था। उसे ईरान के विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के नेताओं ने इजराइल के डर से कासिम को निकालने का आदेश दिया था। हिजबुल्लाह चीफ बनने की रेस में नईम से पहले हाशेम सैफिद्दीन का नाम आगे चल रहा था, जो नसरल्लाह का ममेरा भाई था। हालांकि, इजराइली एयरस्ट्राइक में उसे भी मार डाला गया। उसकी मौत की पुष्टि खुद इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने की थी।

अमेरिकी अदालत ने रेप के आरोपी डॉक्टर को सुनाई 158 साल की सजा

जघन्य दुष्कर्म करने वाले आरोपियों में से एक बताया

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी अदालत ने रेप के आरोपी डॉक्टर को सबसे ज्यादा जघन्य दुष्कर्म करने वाले आरोपियों में से एक बताया। आरोपी का नाम स्टीफन मैथ्यूज है। स्टीफन ने खुद अपनी कानूनी टीम और अपने माता-पिता की ओर से दया की अपील दाखिल की थी। इसके बावजूद जज ने 158 साल की सजा सुनाई।

उसके अपराधों का असर अभी अगस्त में जारी था। स्टीफन को 35 बलात्कार के मामलों में दोषी ठहराया गया। अदालत में ग्यारह पीड़िताओं ने डॉक्टरों पर आरोप लगाया। वहीं अभियोजकों को संदेह है कि कई और लोग अभी भी सामने नहीं आए हैं। पीड़िता ने कहा कि कोलोराडो राज्य के इतिहास में सबसे अधिक बार सीरियल बलात्कारियों में से वह एक है। जबकि अन्य ने आरोपी को नार्सिसिस्टिक राक्षस करार देकर गुस्सा जाहिर किया। डेनवर के स्थानीय निवासी मैथ्यूज ने कथित तौर पर हिंज और टिंडर जैसे डेटिंग एप के माध्यम से जुड़ने के बाद महिलाओं को अपने घर पर बुलाता था। इसके बाद उन लोगों को चुनता था, जो उसके लोअर हाइलैंड क्षेत्र के निवास के करीब थे।

पीड़िताओं ने गवाही दी कि मैथ्यूज उन्हें लोकल रेस्टोरेंट या आस-पास के कैफे में मिलता था। फिर उन्हें अपने घर वापस ले जाते था। वहां वह ड्रग्स के साथ एक ड्रिंक्स तैयार करता था। उसके खिलाफ दिए गए कई बयानों के अनुसार, करीब 2019 से 2023 तक चार वर्षों में आरोपी कई घटनाओं को अंजाम दिया।

डॉक्टर महिलाओं को नशीला पदार्थ खिलाकर जब उनके साथ दुष्कर्म करता था, और इस घिनौने कृत को रिकॉर्ड करता था। ताकि बाद में वह महिलाओं को ब्लैकमेल कर सके। ये भी अभियोजन पक्ष को मैथ्यूज को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत था। जब जज जॉनसन ने मैथ्यूज को सजा सुनाई, तब उन्होंने 37 वर्षीय मैथ्यूज से कहा कि आपने इस समाज को काफी चोट पहुंचाई है।

कई सारी महिलाएं जिनका एक ही शख्स ने इतने व्यापक तौर पर शोषण किया था। एक पीड़िता ने बताया कि कैसे वह मैथ्यूज के साथ पहली डेट पर जाने और आरोपी को जानने के लिए उत्साहित थी। जब उसने अपने कुत्ते के साथ बाहरी गतिविधियों में भाग लेकर मैथ्यूज की हिंज प्रोफाइल देखी। जनवरी 2023 में उनकी मुलाकात जल्द ही एक बुरे सपने में बदल गई। जब मैथ्यूज ने उसे अपने कुत्ते को बाहर घुमाने के बहाने अपने टाउनहाउस में आमंत्रित किया। वहां बाथरूम का उपयोग करने के बाद, एली ने पाया कि मैथ्यूज ने बिना पूछे उसके लिए ड्रिंक तैयार कर दी थी। असहज महसूस करने के बावजूद, वह असभ्य नहीं दिखना चाहती थी और ड्रिंक स्वीकार कर ली, लेकिन कुछ ही देर बाद मेरी तबीयत खराब होने लगी। इसके बाद उसकी बोली लड़खड़ा गई, वह गिर गई, और उसने देखा कि मैथ्यूज उसे जमीन पर लेटकर फिल्मा रहा था। फिर उसने उसे सिर पकड़कर मारा जो दर्दनाक था और जिससे वह बच नहीं पाई। वह भागने में कामयाब रही, उल्टी कर रही थी और बमुश्किल होश में थी।

नाटो का दावा : रूस के लिए लड़ रहे हैं 10 हजार उत्तर कोरियाई सैनिक

बुसेल्स(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीसरे वर्ष में नाटो ने एक चौंकाने वाला दावा किया है कि उत्तर कोरिया ने रूस के समर्थन में 10 हजार सैनिक भेजे हैं। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने इस बात की पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया के सैनिकों को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में तैनात किया गया है और उनके कुछ सैनिक पहले ही रूस पहुंच चुके हैं। माना जा रहा है कि ये सैनिक यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई में मदद करेंगे। नाटो का यह दावा वैश्विक सुरक्षा के लिहाज से चिंताजनक है, क्योंकि उत्तर कोरिया की इस भागीदारी से यूक्रेन-रूस युद्ध एक नया मोड़ ले सकता है और इस क्षेत्र में तनाव और भी बढ़ सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसी वर्ष जून में उत्तर कोरिया का दौरा किया था, जहां उनकी उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ मुलाकात हुई थी। पिछले साल किम जोंग-उन ने भी रूस का दौरा किया था, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों का संकेत है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस में उत्तर कोरियाई सैनिकों की उपस्थिति को बेहद खतरनाक करार दिया है। पेंटागन की प्रवक्ता सबरीना सिंह के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों को ट्रेनिंग के नाम पर रूस भेजा गया है, लेकिन इनमें से कुछ सैनिक यूक्रेन के सीमावर्ती इलाकों में तैनात हो चुके हैं। पेंटागन का मानना है कि रूस इन सैनिकों का इस्तेमाल सीधे यूक्रेन के खिलाफ कर सकता है।अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने चेतावनी दी है कि अगर उत्तर कोरियाई सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में शामिल होते हैं, तो इसे युद्ध में उत्तर कोरिया की भागीदारी के रूप में देखा जाएगा, जिसका असर हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा पर भी पड़ सकता है।

फलस्तीनियों की मदद रोकने वाले विधेयकों को इजरायल की मंजूरी

दुबई (ईएमएस)। इजराइल की संसद ने दो विधेयक पारित किए हैं जो संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थियों से संबंधित एजेंसी को गाजा में सहायता प्रदान करने से रोक सकते हैं।

इन कानूनों में फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की राहत और कार्य एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता आपूर्ति से रोकने के प्रावधान हैं। यह एजेंसी के खिलाफ लंबे समय से चल रहे अभियान का नतीजा है, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इसमें हमास ने घुसपैठ की है, लेकिन एजेंसी के समर्थकों का कहना है कि इजराइल का असली उद्देश्य फलस्तीनी शरणार्थियों के मुद्दे को दरकिनार करना है।

यह एजेंसी गाजा में सहायता प्रदान करने वाली प्रमुख संस्था है और वेस्ट बैंक समेत क्षेत्र में रह रहे लाखों फलस्तीनी शरणार्थियों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सेवाएं प्रदान करती है। एजेंसी के प्रमुख महाआयुक्त फिलिप लाजारिनी ने विधेयकों पर मतदान के बाद 'एक्स' पर इस कदम को अभूतपूर्व करार दिया और कहा कि ये विधेयक केवल फलस्तीनियों की पीड़ा, खासतौर पर गाजा में उनकी परेशानियों को बढ़ाएंगे जहां लोग एक साल से अधिक समय से बुरी हालत में हैं। ये विधेयक यूएनआरडब्ल्यूए को बुरी तरह प्रभावित करेंगे।

सोमवार को पारित ऐसा एक कानून इजराइल की धरती पर यूएनआरडब्ल्यूए की उन सभी गतिविधियों और सेवाओं पर पाबंदी लगाने वाला है और तीन महीने में प्रभाव में आ सकता है। दूसरा विधेयक सरकारी कर्मचारियों और यूएनआरडब्ल्यूए के सभी संबंधों को तोड़ता है तथा उसके कर्मियों को कानूनी दंड छूट से वंचित करता है। दोनों विधेयक मिलाकर एजेंसी को इजराइल तथा फलस्तीनी क्षेत्रों में परिचालन से रोक सकते हैं।

इजराइल ने एजेंसी पर लगाया हमास से जुड़े होने का आरोप

इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी पर उन सदस्यों को लेकर आंखें मूंदने का आरोप लगाया है जिन्हें लेकर वह दावा करता है कि वे हमास से जुड़े हैं और सैन्य मकसद से यूएनआरडब्ल्यूए की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं। इजराइल ने कहा कि गाजा में उसके 13,000 कर्मचारियों में से करीब 12 ने सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिण इजराइल पर हमले में भाग लिया था। एजेंसी ने इस बात से इनकार किया है कि वह जानबूझकर सशस्त्र समूहों को सहायता देती है।

चीन में 3.50 करोड़ युवा कुंवारे - विदेशों से दुल्हन लाने की तैयारियां

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में इस समय लगभग 3. 50 करोड़ युवाओं को शादी के लिए लड़की नहीं मिल रही है। चीन में 118 लड़कों के बीच में मात्र 100 लड़कियां हैं। शादी के लिए लड़कियों की मांग बढ़ गई है। चीन में महंगाई, आवास और नौकरी में मां को प्राथमिकता नहीं होने के कारण चीन की लड़कियां शादी करके मां नहीं बनना चाहती हैं। जिसके कारण करोड़ों युवा बिना शादी के अपना काम चला रहे हैं।

बिजनेस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डिंग चांगफा की एक रिपोर्ट सामने आई है। इसमें उन्होंने विदेशों से चीनी युवाओं की शादी करने का प्रस्ताव रखा है। चीन का लैंगिक अनुपात लगातार खराब होता चला जा रहा है। 2010 की स्थिति में चीन में 118 लड़कों पर मात्र 100 लड़कियां थी। रूस में भी इसी तरह की असमानता पुरुषों और महिलाओं के बीच है। रूस में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। चीन में अब इस बात पर विचार हो रहा है, रूस कंबोडिया वियतनाम और पाकिस्तान जैसे देशों की लड़कियों से चीनी युवाओं की शादी कराई जाए।

चीन के ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा परेशानी

इंस्टीटयूट फॉर चीन और स्टडीज की एक रिपोर्ट सामने आई है। उसके अनुसार चीन के ग्रामीण क्षेत्रों में शादी को लेकर युवाओं को सबसे ज्यादा कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। चीन के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विवाह के प्रस्ताव मिल रहे हैं। चीन की सरकार से मांग की जा रही है। चीन के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शादी करने की अनुमति दी जाए। चीन में कुछ इस तरह की एजेंसी हैं। जो मैच मेक्र्स के तौर पर चीनी युवाओं की शादी रूस की लड़कियों से करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

वर्तमान में रूस और चीन के बीच बेहतर रिश्ते हैं। शादी जैसे मामलों में अब रूस और चीन के बीच सहयोग बढ़ सकता है। रूस की लड़कियां चीन में शादी करके यहां की संस्कृति मैं रच बस सकती हैं। इसको लेकर भी अब नए प्रयास शुरू हो रहे हैं।

कांग्रेस ने माधबी बुच के साथ-साथ आज अनंत नारायण पर भी लगाए गंभीर आरोप

मोदी सरकार क्यों नहीं कर रही कार्रवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने विनिमय एवं प्रतिभूति बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधबी बुच को लेकर एक नया खुलासा कर कहा कि उन्होंने सिर्फ सेबी के नियमों का उल्लंघन ही नहीं किया है, बल्कि कई गंभीर अनियमिताएं की हैं, लेकिन मोदी सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

कांग्रेस पार्टी संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि श्रीमती बुच ने सेबी नियमों का उल्लंघन कर बाजार से जुड़े शीर्ष अधिकारियों को अपनी संपत्ति किराए पर दी है और यह सेबी के नियमों के खिलाफ है। इसतरह के सेबी के एक पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण है, जिन्होंने अपनी संपत्ति एक बड़ी शीर्ष ब्रोकर को दी है, जिसका सेबी में बड़ा दखल होता है। इस तरह इस व्यक्ति ने भी सेबी के नियमों का उल्लंघन किया है, लेकिन मोदी सरकार उनके खिलाफ कोई करवाई नहीं कर रही है।

कांग्रेस संचार प्रमुख खेड़ा ने कहा ''सेबी चेयरपर्सन बुच की मुंबई में एक और प्रॉपर्टी है, जो उन्होंने ग्रीन वर्ल्ड बिल्डको एंड इंफ्रा को किराए पर दी। कंपनी के मालिक मुकुल बंसल और विपुल बंसल के प्रोफेशनल जीवन का एक बड़ा हिस्सा इंडिया बुल्स के टॉप पोजिशन पर रहा है। सेबी ने इंडिया बुल्स के कई केस पर काम किया हैं। मतलब इंडिया बुल्स के टॉप मैनेजमेंट में जो लोग रहे हैं, श्रीमती बुच अपनी प्रॉपर्टी उन्हें किराए पर देती हैं।''

वहीं दूसरे मामले में सेबी की चेयरपर्सन माधवी के अनलिस्टेड कंपनी में जो शेयर हैं, उन कंपनियों का पैराडाइज पेपर में नाम आता है, इसमें प्रिडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी को सरकार के स्टार्टअप फंड से पैसा मिला है। इस कंपनी के सबसे पहले शेयर खरीदने वालों में माधवी का नाम है।''

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के श्रीमती बुच को लेकर पिछले दो दिन से लगातार यूटयूब चैनल पर एक-एक कर वीडियो आ रहे हैं, इन वीडियों के माध्यम से वे पूछ रहे हैं कि आखिर मोदी सरकार को उनके खिलाफ करवाई करने में किसका डर है। क्या मजबूरी है कि इतनी जानकारी होने के बाद श्रीमती बुच को बचाया जा रहा है। क्या बुच सरकार को डरा रही हैं कि मैं अकेले नहीं डूबूंगी।''

उन्होंने कहा, श्रीमती बुच के अलावा एक और व्यक्ति सेबी से जुड़ा है, जिसका नाम अनंत नारायण है। वह सेबी के आल टाइम मेंबर हैं। अनंत ने भी अपनी प्रॉपर्टी एक स्टॉक ब्रोकर को दी, जिसकी कंपनी को सेबी रेगुलेट करता है। श्री नारायण 10 अक्टूबर 2022 को सेबी के आल टाइम मेंबर बने और इन्होंने अपनी मुंबई की प्रॉपर्टी थंगम विनोद राजकुमार को दी। थंगम विनोद राजकुमार का एक ब्रोकरेज फर्म है, इस सेबी रेगुलेट करता है। यानी ये भी सेक्शन 4, 7 और 8 का उल्लंघन है।

तुर्कीये में बने सपनों के महल, बसने के पहले हुए वीरान

अंकारा (ईएमएस)। डिजनीलैंड की शैली में तुरकियो के बुर्ज अल बाबास में परीलोक की कल्पना करके बहुत शानदार महलों की संरचना की गई थी। 1500 करोड रुपए की यह योजना बसने के पहले ही वीरान हो रही है। खाड़ी देशों के अमीरों के लिए यहां पर महलनुमा सुंदर आकृति के सर्व सुविधा युक्त आवास बनाए गए थे। आर्थिक कारणों से यह परियोजना पूरी नहीं हो पाई जिसके चलते निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया।

यहां पर नील ग्रे मीनारों और सफेद रंग से सुसज्जित बहुत सुंदर महल तैयार किए गए थे। जो राजशाही और परी कथा जैसे प्रतीत होते हैं। इसमें वर्तमान समय के हिसाब से सभी सुविधाएं मुहया कराई गई थी। खाड़ी देशों के अमीरों के लिए यह परियोजना तैयार की गई थी। अब यह परियोजना असफलता का एक प्रतीक बन गई है। सबसे बड़ी बात यह है, बसने के पहले ही यह क्षेत्र उजड़ गया है। हजारों करोड़ों रुपए का यह निर्माण असफलता का प्रतीक बन चुका है।

इजरायली सेना ने दावे को हकीकत में बदला, अस्पताल में छिपे 100 अधिक आतंकियों को दबोच लिया

तेल अवीव(ईएमएस)। इजरायली सेना लंबे समय से दावे कर रही थी कि अस्पतालों में हमास के आतंकी छिपे हुए हैं। इस दावे को कई बार झुठलाने की कोशिश की गई। इसके बाद इजरायली सैनिकों (आईडीएफ) ने गाजा के उत्तरी क्षेत्र में कमाल अदवान अस्पताल पर छापे के दौरान लगभग 100 संदिग्ध हमास आतंकियों को पकड़ा है। इजरायली सेना ने यह जानकारी दी। इजर

दाहोद में नकली नॉन -फर्मिंग चैप्टर, एक बड़ी कार्रवाई, 70 लोगों के खिलाफ एक अपराध

दाहोद,29 अक्टूबर

दहोद में नकली नॉन -फार्मिंग चैप्टर में एक और पुलिस शिकायत दर्ज की गई है। दाहोद के सर्वेक्षण संख्या के 112 भूमि मालिकों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की गई है। पूरे दाहोद सूबा को 70 से अधिक लोगों के खिलाफ अपराध से परेशान किया गया है। नकली गैर -घोटाले के मुख्य स्रोत शिशवा परिख की गिरफ्तारी के बाद, पूरे घोटाले के खिलाफ पूरा घोटाला आया है। कुछ दिनों पहले, एक नकली गैर -फर्मिंग मामले में 33 इस्मो के खिलाफ एक अपराध दर्ज किया गया था।

इससे पहले, दाहोद में फर्जी गैर -कृषि अध्याय में, पुलिस प्रणाली ने 33 के खिलाफ एक नॉनऑपर दर्ज किया है, जिसमें विभिन्न राजस्व सर्वेक्षण संख्याओं में फर्जी आदेशों के आधार पर संपत्ति कार्ड बनाने की घटना में तीन शिकायतों में सात महिलाओं को शामिल किया गया है। विभिन्न सर्वेक्षण संख्याओं में, डीडीओ कार्यालय में पाए गए कुल 19 फर्जी आदेशों, एसडीएम कार्यालय के 3 और कलेक्टर के तीन कार्यालय के आधार पर भूमि घोटाला किया गया था।

दाहोद के मन्नान ताहरभाई जीनिया, नाल्वाया रतन सिंह लुनाजी, सैफुद्दीन नोमन जिरुवाला, निकेश गाम्हिर बेलिम जमादर, नजमुदिन करवा, नजमुद्दीन करवा 29 दिसंबर, 2018 तक, डेल्सर के राजस्व सर्वेक्षण संख्या 35/1/5 के 3, दहोद का शहर सर्वेक्षण संख्या 1613/1, दाहोद का राजस्व सर्वेक्षण संख्या 50/1, राजस्व सर्वेक्षण संख्या (13/2) दहोद (13/2), कटवाड़ा का राजस्व संख्या 100, बोरवानी का राजस्व सर्वेक्षण संख्या 142, दहोद के राजस्व सर्वेक्षण संख्या 449 और राजस्व सर्वेक्षण संख्या 450/1, नासिरपुर राजस्व सर्वेक्षण संख्या 48/2, राजस्व सर्वेक्षण संख्या का 1 251 मंडव, राजस्व सर्वेक्षण संख्या 301/306, रमपुरा के राजस्व सर्वेक्षण संख्या 20, दहोद के राजस्व सर्वेक्षण में 83 में बोगस नॉन -फर्मिंग 97/2 और 37 विभिन्न कार्यालयों में बनाए गए थे। द डाहोद के आठ, एक डिवीजन पुलिस स्टेशन में पंजीकृत किए गए कुल आठ।

इसके अलावा, दहोद की भूमि मार्क हाईराइज बिल्डिंग लंबे समय से चर्चा में है। शिशवा परिख, जो अपने डेवलपर के रूप में इस इमारत में काम करती हैं, फर्जी नॉन -फार्मिंग चैप्टर में जेल का सामना कर रही हैं। एक महिला सहित तीन के खिलाफ एक आपराधिक अपराध दर्ज किया गया है। चंद्रकांत केशवलाल शाह, श्रीकांत शाह और दीनाबेन श्रीकांत शाह, जो लैंड सिटी सर्वे 1601/1, 1601/1/6 की भूमि में शहर के गोडहरा रोड भागोदय सोसाइटी में रहते थे, ने 20 मई से प्रांत के फर्जी क्रम को उठाया, 2017, 20 मई, 2017 से। जिसके आधार पर, सर्वेक्षण संख्या 1601/ए/6 में, 783.75 क्षेत्रों में से, 129.3750 वर्ग मीटर भूमि। ऑपरेटिव सोसाइटी-दाहोद के सदस्य बिनबेन शाह ने नाम दर्ज करने के लिए एक गलत आदेश दिया। डिवीजन पुलिस ने तीनों के खिलाफ एक अपराध दर्ज किया है, जिसने शहर के सर्वेक्षण कार्यालय में संपत्ति कार्ड का उपयोग किया था।

Kaiya Yusuf मोहम्मद सफी, काइया इब्राहिम मोहम्मद सफी, काइया इब्राहिम मोहम्मद सफी और काइया सुलेमान मोहम्मद सफी, अन्य मई, 2015 से, 4 दिसंबर, 2015 से, काइया इब्राहिम मोहम्मद सफी, और काइया सुलेमन मोहम्मद सफी, दहोद कसवानी के पुराने चंदन तलवाड़ी के सामने स्थित है। जिसका उपयोग सिटी सर्वे ऑफिस में किया गया था और एक संपत्ति कार्ड बनाया गया था। जिसके आधार पर, पुलिस ने तीन इस्मो के खिलाफ एक आपराधिक अपराध दर्ज करने के बाद तीन इस्मो को गिरफ्तार किया, जिसने सरकार के 2,86,450 का प्रीमियम चुरा लिया था।

दाहोद में कुल 14 पुलिस शिकायतें दायर की गई हैं, जिससे डाहोद कलेक्टर के कार्यालय में नॉन -फार्मिंग के झूठे आदेश दिए गए हैं, जिसमें दहोद की सात महिलाएं भी शामिल हैं। कृष्णकंत दरलाभादास गांधी, नूरजान असलम पटेल, भारतीबेन कृष्णकंत गांधी, राजेश कुमार कृष्णकंत गांधी, बिलाल वेलिभाई पटेल, सईद वलिभाई पटेल, रुखभाई पटेल, रुखभाई पटेल 19 नवंबर, 1974 से 3 जुलाई, 2018 तक। राजस्व सर्वेक्षण संख्या 769/3/1 के साथ -साथ 769/3/2 और 797/1 राजस्व सर्वेक्षण संख्या 554 और 554/3 में से 2 भूमि को गलत आदेश तैयार किए गए और सरकारी कार्यालय में संपत्ति कार्ड और चोरी सरकार का प्रीमियम। दहोद कलेक्टर के कार्यालय में सेवा करते हुए आरएच। शेख, जिन्होंने दहोद ए डिवीजन में शिकायत दर्ज की है, ने सभी 14 लोगों की गिरफ्तारी की एक श्रृंखला शुरू की है, जिसमें दहोद में सात महिलाएं भी शामिल हैं, और सभी विश्वासघात को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस की महीसागर की कलेक्टर को तत्काल प्रभाव से सस्पैंड करने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस ने महीसागर की नेहाकुमारी दुबे को तत्काल प्रभाव से सस्पैंड करने की मांग की हैं यह मांग गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक जिग्नेश मेवाणी ने की हैं मेवाणी का आरोप है कि महीसागर की कलेक्टर ने दलितों, पत्रकारों, वकीलों के बारे में अनुचित टिप्पणयां की हैं सरकारी अधिकारियों को नागरिकों की सेवा और सुविधा के लिए लगातार कार्यशील रहना चाहिए, लेकिन महीसागर की कलेक्टर नेहाकुमारी दुबे का व्यवहार इसके विपरीत हैं जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि आईपीएस राजकुमार पांडियन द्वारा गुजरात की 50 लाख अनुसूचित जाति का अपमान करने के बाद महीसागर कलेक्टर ने भी अनुसूचित जाति सरकार के स्वागत कार्यक्रम में न्याय की गुहार लगाने गए याचिकाकर्ता विजय को धमकाकर कहा कि तुम्हारे काम में महीनों लग जाएंगे, ऐसा कहते दलित नागरिक का भी अपमान किया है। नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार सरकारी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका के नियमों का उल्लंघन है। महीसागर कलेक्टर नेहाकुमारी दुबे ने वकीलों और पत्रकारों के बारे में भी अपमानजनक टिप्पणी की है। समाज में शोषित, वंचित, वंचित, आदिवासियों के मान, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करने वाले अत्याचार अधिनियम के बारे में बिना किसी सबूत, सर्वेक्षण, रिपोर्ट या अध्ययन के कहा जाता है कि अत्याचार के 90 प्रतिशत मामले ब्लैक मेलिंग के लिए इस्तेमाल किये जाते हैं। कलेक्टर के इस तरह के बयान से आदिवासी, अनुसूचित जाति और सामान्य समाज के लोगों के बीच वैमनस्यता बढ़ रही हैं एक विशेष महिला होने के बावजूद दहेज के फर्जी मामले हो रहे हैं, ऐसी टिप्पणी करना निंदनीय है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कलेक्टर की ऐसी भेदभाव-कुंठित है तो वह एट्रोसिटी के मामले में क्या करता होगा? मेवाणी ने आरोप लगाया कि कलेक्टर ने पत्रकार और वकील वर्ग के लिए भी अनुचित टिप्पणी की है और कहा है कि वे चप्पल से पीटने लायक काम कर रहे हैं बार काउंसिल के वकील मित्रों ने भी इस बयान की निंदा की है जो बेहद गंभीर और निंदनीय हैं हम कलेक्टर से पूछना चाहते हैं कि आदिवासी, दलित समाज के लोगों को कितनी पत्थर खदानें, सरकारी भट्ठे और कृषि भूमि दी गयी है? इसका विवरण सार्वजनिक करें आने वाले दिनों में महीसागर के लोग अनुसूचित जाति पर अत्याचार का मामला लेकर आपके पास आएंगे, तैयार रहें। कांग्रेस पार्टी की मांग है कि दलित समाज, वकील, पत्रकार और महिलाओं के प्रति संकीर्ण मानसिकता रखने वाली महीसागर कलेक्टर नेहा कुमारी दुबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए और उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएं पूर्व विधायक और सुरेन्द्रनगर जिला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा कि सुरेंद्रनगर के धांगध्रा में जिला भाजपा अध्यक्ष द्वारा एक दलित समुदाय के नेता को सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया गया था, लेकिन कई बार आवेदन करने के बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। यही दर्शाता है कि भाजपा राज में दलित समाज पर लगातार अत्याचार बढ़ रहे हैं।

सहकारी क्षेत्र में जयेश रतदिया का दबाव अपरिवर्तित रहता है, कृष्ण के चुनावों में सौराष्ट्र के सभी तीन पैनलों की जीत

29 अक्टूबर, सहकारी क्षेत्र में जयेश रतदिया का दबाव शुरुआत से ही अपरिवर्तित रहा है। डेलिगेट चुनाव कंपनी द्वारा कुंभो के लिए आयोजित किए गए थे। जिसमें भाजपा विधायक जयेश राददिया के सभी पैनल जीत गए हैं। इस चुनाव में, 101 प्रतिनिधि क्षेत्र में उतरे, जिसमें जयेश राददिया के पैनल ने एक बार फिर सहकारी क्षेत्र में अपनी पकड़ दिखाई है।

जयेश रतदिया अभी भी इस सहकारी विरासत के मीठे फल खा रहे हैं, जो कि राजकोट सहित सह -संचालन क्षेत्र में जयेश राददिया के पिता विटथल राददिया की क्रांति के कारण है।

जयेश रतदिया को हाल ही में घ्ड्ण्ध् के निदेशक के पद पर जीता गया था, जिसके बाद प्रतिनिधि चुनाव अब कृष्णक द्वारा आयोजित किया गया था। जयेश रतदिया ने राजकोट, मोरबी और कच्छ जिले सहित सभी तीन पैनलों में जीता।

पति के नाजायज संबंधों से परेशान पत्नी ने उसकी प्रेमिका को उतारा मौत के घाट

सूरत (ईएमएस) शिहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई हैं शहर के चौक बाजार क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति की प्रेमिका की हत्या कर दी और उसके घर पर बाहर से ताला लगाकर फरार हो गयी हांलाकि खबर पाते ही हरकत में आई पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं मिली जानकारी के मुताबिक सूरत के पासोदरा क्षेत्र में 37 वर्षीय हर्षा काछा नामक विवाहिता अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती हैं हर्षा काछा के पति के सूरत के वेड रोड क्षेत्र में रहनेवाली 35 साल की महिला से नाजायज संबंध थें जब इस की जानकारी हर्षा को हुई तो पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होने लगा। इस मामले में अनबन और लंबे समय से चल रहे घरेलू विवाद से तंग आकर हर्षा अपने पति की प्रेमिका को समझाने गई थी। जहां दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि हर्षा ने अपने पति की प्रेमिका की हत्या कर दी। हत्या के बाद हर्षा ने उसके घर के बाहर ताला लगाया और फरार हो गई। घर के पड़ोस में रहने वाली मृतक की बहन ने जब देखा कि घर में लाइटें जल रही हैं और बाहर ताला लगा हुआ है तो उसे शक हुआ और उसने तुरंत पुलिस को सूचना दीं

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व स्ट्रोक दिवस के उपलक्ष्य में स्ट्रोक की वजह से होने वाले पैरालिसिस को ठीक करने के लिए समय पर कार्रवाई की हिमायत की

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व स्ट्रोक दिवस के उपलक्ष्य में स्ट्रोक के मरीजों के लिए समय पर कार्रवाई कीहिमायत की, ताकि इस बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाई जा सके कि ऐसे मरीजों के इलाज के लिए तुरंत और समय पर कदम उठाने से ज़्यादा-से-ज़्यादा लोगों को विकलांगता से बचाना संभव है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन, डॉ. मुकेश शर्मा इस अस्पताल में न्यूरोसाइंसेज विभाग की कमान संभाल रहे हैं।

स्ट्रोक के ज़्यादातर मरीज इसके शुरुआती लक्षणों का अनुभव करते हैं, लेकिन वे इस पर कभी गंभीरता से ध्यान नहीं देते हैं।स्ट्रोक मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं। पहले है इस्केमिक स्ट्रोक, जिसमें खून के थक्के, यानी थ्रोम्बस का निर्माण होता है जो आर्टरी में रुकावट डालते हैं। हेमरैजिक स्ट्रोक इसका दूसरा प्रकार है, जिसमें मस्तिष्क के भीतर मौजूद ब्लड वेसल्स से खून का बहाव अनियंत्रित हो जाता है। इन दिनों युवाओं में भी स्ट्रोक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। 18 से 44 साल की उम्र के लोगों में स्ट्रोक के मामलों में 14.6ज्ञ की बढ़ोतरी हुई है; 45 से 64 साल की उम्र के लोगों में इसकी मामलों में 15.7ज्ञ की वृद्धि हुई है। समय से पहले होने वाले एथेरोस्क्लेरोसिस में, खासकर युवाओं में इसके मामलों में भी बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें ब्लड वेसल्स सख्त हो जाते हैं और उनमें रुकावट आ जाती है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन, डॉ. मुकेश शर्मा ने स्ट्रोक की गंभीरता और समय पर कार्रवाई से गंभीर परिणामों की रोकथाम के बारे में बताते हुए कहा, ''हम युवाओं में स्ट्रोक के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देख रहे हैं जो न्यूरोलॉजिस्ट होने के नाते बड़ी चिंता की बात है। यह प्रवृत्ति काफी गंभीर है, जो कुछ दशक पहले तक हमारी सोच से भी परे था। लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत, तनाव के बढ़ते स्तर, धूम्रपान और खान-पान के विकल्पों को अपनाने के चलते हाइपरटेंशन, डायबिटीज और हाइ-कोलेस्ट्रॉल की समस्या उत्पन्न हो रही है। पारंपरिक तौर पर इन सभी को बुजुर्गों से जुड़ी बीमारी माना जाता था, लेकिन अब 30 और 40 की उम्र के युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं

डॉ. मुकेश शर्मा ने आगे कहा, ''मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने गुजरात में पहली बार 45 क्लिनिकल चिकित्सकों के साथ जानकारी के आदान-प्रदान की पहल के रूप में स्ट्रोकोलॉजिस्ट कार्यक्रम की शुरुआत की, ताकि डॉक्टरों के समुदाय के नेटवर्क में स्ट्रोक के उपचार के स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। हमने इस कार्यक्रम के तहत पूरे भारत में 5000 डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है, ताकि स्ट्रोक के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतों को टालकर ज़्यादा-से-ज़्यादा लोगों की जान बचाई जा सके। पूरे भारत के सभी स्थानों के डॉक्टर हमारे विभाग से संपर्क कर सकते हैं और स्ट्रोकोलॉजिस्ट कार्यक्रम में प्रशिक्षण एवं प्रमाणन प्राप्त कर सकते हैं। अहमदाबाद में स्ट्रोक एम्बुलेंस की सहायता से इस कार्यक्रम को और मजबूती दी गई है, जो मुसीबत की घड़ी में कॉल आने 15 मिनट के भीतर स्ट्रोक के मरीज तक पहुँच जाती है। आजकल युवाओं में भी स्ट्रोक का असर तेजी से बढ़ रहा है, जो लोगों की इस सामान्य सोच को चुनौती देता है कि यह मुख्य रूप से बुजुर्गों को होने वाली बीमारी है।

12-वर्ष की पीड़िता के बलात्कार के लिए 20 साल की कैद

वडोदरा,29 अक्टूबर

पुलिस ने बलात्कारी को तेज कर दिया है जब एक पीड़ित का शिकार छह महीने पहले हरनी क्षेत्र में गर्भवती थी। पीड़ित के मजदूर ने पुलिस को हरनी क्षेत्र में 6.6-12-2020 को हुई घटना के बारे में बताया, ''मेरी बेटी काम के लिए बाहर जा रही थी, जबकि करण नाम के एक युवक का पीछा किया गया और बलात्कार किया गया और बलात्कार किया गया।

घटना के बाद, घटना के बाद, मैं पीड़ित को किसी को भी सूचित करूंगा कि अगर पुलिस की शिकायत है, तो आपको और आपके माता -पिता को मारने की धमकी दी।

उपरोक्त घटना के बाद बारह -और -**half -year -old** बेटी गर्भवती हो गई। हरनी पुलिस ने आरोपी करण रंजीतभाई परमार (पंचल फ्रूट, हरनी) को तेज कर दिया। एक चिकित्सा परीक्षण के दौरान पैदा हुए एक बच्चे के पिता को करण होने की सूचना मिली थी। पॉक्सो के विशेष न्यायालय के न्यायाधीश एमडी पांडे के समक्ष दौड़ते हुए आरोपी के दोषी ठहराए जाने के बाद मामले को 20 साल तक कैद कर लिया गया। अभियोजक परेश पटेल ने सरकार पर प्रतिनिधित्व किया।

एक साइकिल ट्रैक पर खुदाई वडोदरा में नोड्स के समान बन रही है

वडोदरा ,29 अक्टूबर

वडोदरा नगर निगम ने एक साइकिल ट्रैक पर भूमिगत इलेक्ट्रिक केबलों की स्थापना के लिए खुदाई की है, जो शहर के पूर्वी भाग में शुरू हुई थी, यही वजह है कि आपको साइकिल ट्रैक भी नहीं मिलता है। 66 केवी भूमिगत केबल लाइन वर्तमान में जेटको द्वारा चल रही है। निगम को क्षेत्र में एक ओवरब्रिज का निर्माण करना है, और यह पाया गया है कि इलेक्ट्रिक लाइनों और डंडे के काम के संबंध में उत्खनन और संचालन किया जा रहा है।

क्षेत्र के नागरिक यह कह रहे हैं कि ओवरब्रिज का निर्माण क्षेत्र में किया जाना है, और लाइन को स्थानांतरित करना होगा, बिना किसी अग्रिम योजना या सर्वेक्षणों के, साइकिल ट्रैक पर पैसा खर्च करना, क्षेत्र के नागरिक कह रहे हैं। शहर के पूर्वी हिस्से में 1.88 करोड़ रुपये की लागत से नगर निगम द्वारा बनाया गया साइकिल ट्रैक नोड्स के समान हो रहा था। जब से इस साइकिल को ट्रैक किया गया था, वह विवाद में रहा है। विशेष रूप से, साइकिल ट्रैक पर अवैध दबाव के कारण, इसका उपयोग नहीं किया जा सका और साइकिल संचालित नहीं की जा सकती थी। यह साइकिल ट्रैक बिना किसी सर्वेक्षण के और बिना किसी दबाव के बनाया गया था। 3 साल पहले साई कल ट्रैक का काम निगम द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। ऑपरेशन के लिए कार्य आदेश 29-110-11 को दिया गया था और काम 250 दिनों के भीतर पूरा किया जाना था। एक असहनीय देरी भी थी। साइकिल ट्रैक का निर्माण सोलोमन के तीन -मार्ग से वृंदावन तक किया गया है, सरदार एस्टेट से महावीर हॉल तक महावीर हॉल तक और पानी की टंकी पर लौटते हैं। एक साइकिल ट्रैक का निर्माण वडोदरा सिटी में अजवा और वागहोडिया को जोड़ने वाले ट्रैक पर त्रिभुज आकार पर चार किमी की लंबाई में किया गया था।

पीएम मोदी ने स्पेन के प्रधानमंत्री के साथ रोड़ शो कर इजराइल की चिंता कर दी दूर

वड़ोदरा (ईएमएस)। बीते दिनों एक तस्वीर ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। एसपीजी कमांडोज के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मौजूद शख्स भारत और इजरायल की दोस्ती के लिए बेहद अहम है। पीएम मोदी के साथ खड़े शख्स कोई और नहीं बल्किन स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज हैं। 18 साल बाद स्पेन के किसी प्रधानमंत्री ने भारत का दौरा किया है। वैसे भारत और स्पेन के रिश्ते हमेशा से अच्छे रिश्ते रहे हैं। लेकिन मीडिल ईस्ट में चल रही जंग के बीच स्पेन अपनी लोकेशन की वजह से भारत और इजरायल के लिए बेहद खास बना है। इस रोड शो के जरिए भारत ने ऐसा दांव खेला जो कई देशों को हैरान कर देगा।

दरअसल, वडोदरा में पीएम मोदी और स्पेन पीएम सांचेज ने टाटा कॉम्पलेक्स का उद्घाटन किया। इस कॉम्प्लेक्स में सेना के लिए सी-295 एयर क्रॉफ्ट बनने है। समझौते के तहत वडोदरा के इस परिसर में 40 विमानों का निर्माण होगा। भारत में इन 40 विमानों के निर्माण की जिम्मेदारी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स को दी गई है और यह परिसर भारत में सैन्य विमानों के लिए पहली निजी क्षेत्र की अंतिम असेंबली लाइन है। साथ ही विमानों के रखरखाव की सुविधा भी उपलब्ध होगी। टाटा के अलावा रक्षा क्षेत्र की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां जैसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और भारत डायनेमिक्स के साथ ही निजी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इस कार्यक्रम में योगदान देने वाले है। पीएम मोदी ने अक्टूबर 2022 में वडोदरा अंतिम असेंबली लाइन की नींव रखी थी।

अब बताते हैं कि भारत ने रोड शो के द्वारा कौन सा बड़ा खेल किया है। दरअसल, कुछ समय पहले स्पेन भारत और इजरायल के बीच दीवार बनकर खड़ा हो गया था। इजरायल को अपनी आत्मरक्षा और जवाबी हमले के लिए हथियारों की जरूरत थी। इजरायल ने हथियार भारत से मांगे। दोस्त इजरायल की मदद के लिए भारत ने 27 टन बारूद के साथ एक जहाज इजरायल को रवाना किया। जहाज इजरायल पहुंचने वाला था। लेकिन स्पेन ने भारत के इस जहाज को इजरायल नहीं जाने दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अंध कन्या प्रकाश गृह की दिव्यांग छात्राओं द्वारा बनाए गए दीयों की खरीदारी की

गांधीनगर, 29 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को अहमदाबाद के मेमनगर में स्थित अंध कन्या प्रकाश गृह से दीयों की खरीदारी की। इन दीयों को अंध कन्या प्रकाश गृह की दिव्यांग छात्राओं द्वारा बनाया गया है। दिव्यांग बेटियों की इस कला को प्रोत्साहन देने के उदार भाव से मुख्यमंत्री और उपस्थित महानुभावों ने दीयों की खरीदी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने उपस्थित सभी लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में अहमदाबाद के उप महापौर श्री जतिनभाई पटेल, अहमदाबाद महानगर पालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी, अंध कन्या प्रकाश गृह के अध्यक्ष श्री क्षितिज शाह, संस्था की प्रबंध समिति के ट्रस्टी श्री राजन हरिवल्लभदास, संस्था की प्रशासक श्रीमती स्मिता शाह तथा स्थानीय राजनीतिक अग्रणी, शिक्षक और संस्थान की कन्याएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में वापी में मेरिल कंपनी के नए विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया

वलसाड, 29 अक्टूबर

धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत और सशक्त बनाने की योजनाओं की घोषणा की है। मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 को रु. देशवासियों को 12,850 करोड़ रुपये की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाओं का दिवाली उपहार दिया गया। इसके तहत वलसाड जिले के वापी तालुका के चला में स्थित मेरिल कंपनी के मेडिकल डिवाइसेज के नए विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल और वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री श्री कनुभाई देसाई मेरिल कंपनी में उपस्थित थे।

वापी में मेरिल कंपनी के हेलीपैड पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जिले के सभी विधायकों, सांसदों, जिला कलेक्टर श्री नैमेश दवे और जिला संगठन के पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जहां से वे मेरिल पार्क पहुंचे और हार्ट, वॉल्व और स्टेंट के निर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मेरिल पार्क-1 में उद्घाटन किए गए चिकित्सा उपकरणों के नए विनिर्माण संयंत्र का दौरा किया। यह संयंत्र मुख्य रूप से सर्जिकल रोबोटिक्स, हृदय, वाल्व, स्टेंट और कैंसर अनुसंधान में शामिल होगा। मुख्यमंत्री को कैंसर रिसर्च सर्जिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की रोचक जानकारी प्राप्त हुई। मेरिल स्टूडियो के पास तब सभी प्रकार के चिकित्सा उपकरणों जैसे ट्रॉमा इम्प्लांट, ऑर्थोपेडिक इम्प्लांट और भारत के पहले ठघुटनाठ (घुटना) रिप्लेसमेंट रोबोट (मिशो) के बारे में दिलचस्प अंतर्दृष्टि थी। मुख्यमंत्री ने अकादमी में ठमेराई डेटा सेंटरठ का भी उद्घाटन किया। इस डेटा सेंटर का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में वैश्विक परिवर्तन लाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके मानव जीवन की गुणवत्ता को अधिकतम स्तर तक बढ़ाना है। नई दवाओं की खोज के लिए स्वास्थ्य डेटा का उपयोग करने से रोगी के उपचार और निदान की सटीकता में सुधार हो सकता है।

मेरिल एकेडमी के तक्षशिला सभागार में सभी ने दिल्ली से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। मुख्यमंत्री द्वारा मेरिल संकल्प पुस्तक एवं जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर प्रभाव पर तैयार पुस्तक का विमोचन किया गया। मेरिल कंपनी के अंजुमभाई बिलखिया और सीईओ विवेकभाई शाह ने मुख्यमंत्री को मेरिल कंपनी के ठमेक इन इंडियाठ और ठआत्मनिर्भर भारतठ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मेरिल कंपनी के अंजुमभाई ने फूलों का गुलदस्ता और मोमेंटों से मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में वरदान माने जाने वाले आयुष्यमान कार्ड को खासकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए और अधिक उपयोगी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने एक नई पहल करते हुए 500 रुपये देने की पहल की है। 6 लाख तक की आय सीमा खत्म कर दी गई है. अब केवल आधार कार्ड और राशन कार्ड प्रस्तुत करके ही आयुष्यमान कार्ड का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। वलसाड जिले के पीएम जेएवाई के लाभार्थी धीरूभाई रमणभाई पटेल और सविताबेन भीखूभाई पटेल (दोनों कोपरली, वापी निवासी) हैं, जिन्हें इस नई पहल के तहत कार्ड का लाभ मिला, उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा कार्ड वितरित किए गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने गर्भवती माताओं और 0 से 16 साल के बच्चों के लिए टीके को लेकर यू-विन पोर्टल लॉन्च किया. जिसमें देश के किसी भी कोने से गर्भवती माताओं और 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए सभी प्रकार के टीके की जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। जिसके तहत लाभार्थी भाविका अंकितभाई पटेल (रेस्ट. पंडोर) और लाभार्थी विनत काजलबेन केतनभाई पटेल (रेस्ट. करवड़) को ई-वैक्सीन प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल के हाथों वितरित किया गया. 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के आयुष्यमान कार्ड लाभार्थियों के दृष्टिकोण से तैयार की गई एक लघु फिल्म, आयुर्वेद के महत्व, फार्मा क्षेत्र और यू-विन पोर्टल कैसे काम करेगा और उपयोगी होगा, इस पर एक लघु फिल्म सभी ने देखी।

इस अवसर पर वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री श्री कनुभाई देसाई, वलसाड जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मनहरभाई पटेल, लोकसभा दंडक और सांसद श्री धवलभाई पटेल, वलसाड, कपराडा, धरमपुर और उमरगाम के विधायक सर्व श्री भरतभाई पटेल, जीतूभाई चौधरी, अरविंदभाई पटेल और रमनलाल पाटकर, वापी नगर पालिका के अध्यक्ष पंकजभाई पटेल, जिला एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमंतभाई कंसारा, जिला एसोसिएशन के महासचिव कमलेश पटेल, वीएपीआई वीआईए के अध्यक्ष सतीश पटेल, मेरिल कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव भट्ट, निदेशक प्रमोजकुमार मिनोचा और आरजी व्यास सहित पूरी टीम उपस्थित थी। . सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन तारेश भाई सोनी द्वारा किया गया।

बक्सा मामला

वापी की मेरिल कंपनी के नए प्लांट से 5000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा

वापी की मेरिल कंपनी भारत की अग्रणी वैश्विक मेडटेक कंपनी के रूप में जानी जाती है। 2007 में स्थापित, मेरिल पांच प्रमुख क्षेत्रों में काम करता है। कार्डियोवास्कुलर, ऑर्थोपेडिक्स, और

कलर्स के 'बिग बॉस 18' से बाहर निकलने पर न्यारा एम बनर्जी ने कहा: ''मैं वाइल्ड कार्ड एन्ट्री लेकर वापस आना चाहती हूं ताकि लोग मुझे मेरी काली मां के रूप में देखें''

कलर्स के 'बिग बॉस 18' पर नवीनतम 'वीकेंड का वार' में न्यारा एम बनर्जी के अप्रत्याशित निष्कासन ने प्रतियोगियों को हिलाकर रख दिया है। उनके जाने से कई लोगों की भौंहें तन गई हैं और यह चर्चा शुरू हो गई है कि बिग बॉस का घर असल में कितना अप्रत्याशित हो सकता है। न्यारा ने अपने सफर की धमाकेदार शुरुआत की थी, और पहले दिन से ही खुद को एक दमदार प्रतियोगी के रूप में स्थापित कर लिया था। निर्भीक, आत्मविश्वासी और अपने मन की बात कहने की आदत के कारण, वह विजेता नहीं तो फाइनलिस्ट बनने की क्षमता रखती थी। फिर भी, उनके मजबूत फैनबेस और नियमित दोस्ती के बावजूद, इस सप्ताह वोट उनके पक्ष में नहीं थे।

यह भूमि हमारी है: एएमसी के 31 प्लॉट पर वक्फ ट्रिब्यूनल में दावे

गांधीनगर 29 अक्टूबर,

सोमवार को नगर निगम की एक बैठक में, यह पता चला कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छह स्थानों पर नगर निगम के खिलाफ, गांधीनगर में वक्फ ट्रिब्यूनल में दावे किए गए थे। समिति के अध्यक्ष प्रकाश गुर्जर ने कहा, शहर के राजपुर के अलावा, पिछले आठ वर्षों में वक्फ ट्रिब्यूनल गांधीनगर में छह स्थानों के लिए दावे किए गए हैं, नगर पालिका के खिलाफ विभिन्न स्थानों के लिए कलुपुर, वाटवा, शाहिबाग और सरकहज रोजा। । इसके अलावा, शहर में नगर निगम के स्वीकृत साजिश पर क्या स्थिति है, इस पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक विशेष निगरानी सेल स्थापित किया जाएगा। ।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर और उधना से छपरा के बीच चलाएगी अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर तथा उधना से छपरा के बीच विशेष किराये पर अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रे